



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 41] मई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 10, 1981 (आश्विन 18, 1903)

No. 41] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 10, 1981 (ASVINA 18, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

पृष्ठ

पृष्ठ

भाग I—खंड 1—भारत सरकार के मंत्रालयों (एक मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकलनों और प्राधिकारियों द्वारा देशों के संबंध में प्रधिसूचनाएं

669

629

भाग II—खंड 2—भारत सरकार के मंत्रालय (एक मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गयी सरकारी प्रधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में प्रधिसूचनाएं

1303

भाग I—खंड 3—एक मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकलनों और प्राधिकारियों द्वारा देशों के संबंध में प्रधिसूचनाएं

भाग II—खंड 3-(iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकारणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक भावेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं), के हिन्दी में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खंड 3 या खंड 4 में प्रकाशित होते हैं)

1303

629

भाग II—खंड 4—एक मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और भावेश

387

भाग I—खंड 4—एक मंत्रालय द्वारा जारी की गयी सरकारी प्रधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में प्रधिसूचनाएं

1393

भाग II—खंड 1—प्रविधिकम्, भावावेश और विनियम

भाग III—खंड 1—उच्चतम व्यावालय, महालेजा परीक्षक, तर्ब लोक सेवा प्रायोग, रेलवे प्रशासनों, उच्च व्यावालयों और भारत सरकार के संबद्ध और प्रशीनस्थ लायीरियों द्वारा जारी की गयी प्रधिसूचनाएं

11631

भाग II—खंड 1—प्रविधिकम्, भावावेश और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ

भाग III—खंड 2—पेटेन्ट कार्यालय, कालकटा द्वारा जारी की गयी प्रधिसूचनाएं और नोटिस

523

भाग II—खंड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रबाद समितियों के बिल तथा रिपोर्ट

भाग III—खंड 3—मुक्य आयोजनों के प्राधिकार के प्रधीन प्रयोग द्वारा जारी की गयी प्रधिसूचनाएं

.

भाग II—खंड 3—उप-खंड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (एक मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकारणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के भावेश और उपविधियां भावी भी शामिल हैं)

2117

भाग III—खंड 4—विधिप्रधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक नियमों द्वारा जारी की गयी प्रधिसूचनाएं, भावावेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं

2625

भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (एक मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकारणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए मानविक प्रावेश और प्रधिसूचनाएं

3181

भाग IV—प्रेस-सरकारी व्यक्तियों और प्रेस-सरकारी निकायों द्वारा विज्ञापन और नोटिस

195

भाग V—प्रेसेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु प्राप्ति से आहतों को विज्ञान बाला अनुप्रक्र

CONTENTS

PAGE	PAGE		
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)	691	PART II—SECTION 3(iii).—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in section 3 or section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules and Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories)	629
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence)	1303	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	397
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Resolutions and non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	—	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	11631
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	1393	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta	523
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners
PART II—SECTION 1-A.—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	2625
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of the Select Committees on Bills	*	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	195
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	2117	PART V.—Supplement showing statistics of Birth and Deaths etc. both in English and Hindi	
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	3181		

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1981

शुद्धिध-पत्र

सं. 2/10/80-एन. एस.—7 मार्च, 1981 के भारत के राजपत्र (असाधारण) के भाग 1 खण्ड 1 में प्रकाशित हुई भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) की अधिसूचना संख्या 2/10/80-एन. एस. में शीर्षक “‘घोथा इनाम-एक सौ (प्रत्येक 5,000 रुपए)’” के नीचे कालम 3 में क्रम संख्या 79 के सामने दी गई संख्या “177516” के स्थान पर “1770516” परिणाम।

अमृत लाल सली
अवर सचिव

इस्पात और खान मंत्रालय

नियमावली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अक्टूबर 1981

सं. 12025/7/8 1-एम 2—निम्नलिखित चिक्का पदों का भरने के लिए 1982 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा दी जाने वालों प्रतिश्रीगता प्रीक्षा की नियमावली कृषि मंत्रालय की सहमति से सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है :—

वर्ग I (भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण, इस्पात और खान मंत्रालय के पद)

(i) भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) मुप क और

(ii) सहायक भू-विज्ञानी मुप ख

वर्ग II (केन्द्रीय भू-जल बोर्ड, कृषि मंत्रालय के पद)
सहायक जल-भू-विज्ञानी मुप ख

1. उम्मीदवार उपर्युक्त पदवगों में से किसी एक या दोनों के लिए प्रतियोगी हो सकता है। उसे अपने आवेदन-पत्र में उन पदों का स्पष्ट रूप में उल्लेख करना चाहिए जिनके लिए वह वर्धयना क्रम में विचार लिए जाने का इच्छुक है।

जिन पद वर्ग/वर्गों के लिए उम्मीदवार परीक्षा में बैठ रहा है उनके सम्बन्ध में उम्मीदवार द्वारा निर्दिष्ट वरीयताओं के परिवर्तन सम्बन्धी किसी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि इस प्रकार के परिवर्तन से सम्बद्ध अनुरोध रोजगार समाचार में लिखित परीक्षा के परिणाम के प्रकाशन की तारीख के 30 दिन के अन्दर या उसमें पहले संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त न हो जाएं।

2. उक्त परीक्षा के परिणाम के प्राधार पर नियुक्तियाँ शुल्क में अस्थायी रूप में की जायेंगी। जैसे ही स्थायी रिक्तियाँ होंगी उम्मीदवार अपनी बारों में स्थायी रूप से नियुक्त कर दिये जायेंगे।

3. इस परीक्षा के परिणाम के प्राधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों के संघया आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में निर्दिष्ट की जाएंगे। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों के प्रारक्षण सरकार द्वारा निर्धारित रूप में किए जाएंगे।

अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन-जातियों का प्रथम संविधान (अनुसूचित जातियों) आदेश, 1950; संविधान (अनुसूचित जन जातियों) आदेश, 1950; संविधान (अनुसूचित जातियों) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951; संविधान (अनुसूचित जनजातियों) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश 1951; (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों सूचियाँ (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई, मुनर्गठन अधिनियम, 1960; पंजाब पुनर्गठन अधिनियम 1966, हिमाचल प्रदेश, राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र, (मुनर्गठन) अधिनियम, 1971. और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन-जातियों आदेश, (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथासंशोधित] संविधान (जम्मू व कश्मीर) अनुसूचित जातियों आदेश, 1956; अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन-जातियों आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथासंशोधित (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन-जातियों आदेश, 1959; संविधान (दादरा व नागर हवेली) अनुसूचित जातियों आदेश, 1962; संविधान (दादरा व नागर हवेली) अनुसूचित जन-जातियों आदेश, 1962; संविधान (पांडियारी) अनुसूचित जातियों आदेश, 1964; संविधान (अनुसूचित जातियों) (उत्तर प्रदेश) आदेश,

1967, संविधान (गोआ दमन और दियू) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968; संविधान (गोआ, दमन तथा दियू), अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968; और संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970; संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति आदेश, 1978*, संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति आदेश 1980* में उल्लिखित जातियों/जन-जातियों में से कोई एक है।

4. आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट 1 में निर्धारित रीति से आयोजित की जाएगी।

परीक्षा कब और कहां होगी, यह आयोग द्वारा निश्चित किया जाएगा।

5. कोई उम्मीदवार या तो :—

(क) भारत का नागरिक हो, या

(ख) नेपाल की प्रजा हो, या

(ग) भूटान की प्रजा हो, या

(घ) भारत में स्थायी निवास के इरादे से 1 जनवरी 1962 से पहले भारत आया हुआ तिब्बती शरणार्थी हो, या

(छ) भारत में स्थायी निवास के इरादे से पाकिस्तान बर्मी, श्रीलंका, कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया भूतपूर्व टंगानीका और जंजीबार के पूर्वी अफ़्रीकी देशों या जान्मिया, मलायी ज़ेरे, इथियोपिया और वियतनाम से प्रवासन कर आया हुआ मूलतः भारतीय व्यक्ति हो।

किन्तु शर्त यह है कि उपर्युक्त वर्ग (ख), (ग), (घ) और (छ) से सम्बद्ध उम्मीदवार को सरकार ने पावता प्रमाण-पत्र प्रवान किया हो।

जिस उम्मीदवार के मामले में पावता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, उस परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है; किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यकता पावता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो।

6. (क) इस परीक्षा के उम्मीदवार की आयु 1 जनवरी 1982 को 21 वर्ष हो चुकी हो किन्तु 30 वर्ष पूरी न हुई हो अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1952 में पहले और 1 जनवरी, 1961 के बाद न हुआ हो।

(ष) यदि निम्नलिखित वर्गों के सरकारी कर्मचारी नीचे के कालम में—I में उल्लिखित किसी विभाग में नियोजित हैं और यदि वे कालम-II में उल्लिखित समर्थन पद (पदों) हेतु आवेदन करते हैं उनके मामले में ऊपरी आयु सीमा में अधिकतम 7 वर्ष की छूट दी जाएगी :—

कालम-I	कालम-II
भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण केन्द्रीय भू जल बोर्ड	भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) ५८ क सहायक भू-विज्ञानी, युप ख जल भू-विज्ञानी युपै ख

(ग) निम्नलिखित स्थितियों में ऊपर निर्धारित ऊपरी आयु सीमा में और छूट दी जाएगी :—

(i) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक;

(ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (पश्चिम बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी 1964 और 25 मार्च 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रस्थावर्तित होकर भारत आ गया था, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक;

(iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (पश्चिम बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है तथा 1 जनवरी, 1964 से 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रस्थावर्तित होकर भारत आ गया था, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक;

(iv) यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रस्थावर्तित हुआ हो या होकर आया या आने वाला भारत मूल का व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;

(v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन-जाति का हो और अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रस्थावर्तित हुआ या होकर आया या आने वाला भारत मूल का व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;

- (vi) यदि उम्मीदवार भारत मूल का व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा और तंजनिया संयुक्त गणराज्य भूतपूर्व टांगनिका तथा जंजीबार से प्रव्रजन किया हो या जांचिया, मलाबी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक सीन वर्ष;
- (vii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का है और भारत मूल का वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है तथा कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजनिया (भूतपूर्व टांगनिका तथा जंजीबार) से प्रव्रजन कर आया है या जांचिया, मलाबी, जेरे तथा इथियोपिया से भारत मूल का प्रत्यावर्तित व्यक्ति है तो अधिक से अधिक 8 वर्ष;
- (viii) यदि उम्मीदवार बर्मा से 1 जून, 1963 का या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया भारत मूल का व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक सीन वर्ष;
- (ix) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और बर्मा से 1 जून, 1963] को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया भारत मूल का व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;
- (x) शत्रु देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के कार्मिकों के मामले में अधिक से अधिक 3 वर्ष;
- (xi) शत्रु देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान दिक्षलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के कार्मिकों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष;
- (xii) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पार पक्ष हो) है और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पक्ष है और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत महीं आया है, तो उसके लिए अधिक से अधिक सीन वर्ष;
- (xiii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और वियतनाम से वस्तुतः प्रत्यावर्तित था प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूल का व्यक्ति हो (जिसके पास भारतीय पारपक्ष हो) और ऐसा भी उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय

राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पक्ष हो और जो वियतनाम से जुलाई 1975 के बाद भारत आया हों तो उसके लिए अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

उपर की गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित ग्रामीण सीमा में किसी भी हालत में छठ नहीं दी जा सकती।

ध्यान दें :—

- (i) जिस उम्मीदवार को नियम 6 (ख) के अधीन परीक्षा में प्रवेश दे दिया गया हो और उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी यदि आवेदन-पत्र भेजने के बाद वह परीक्षा से पहले या परीक्षा देने के बाद सेवा से त्याग पक्ष दे देता है या विभाग कार्यालय द्वारा उसकी सेवाएं समाप्त कर दी जाती हैं। किन्तु आवेदन-पत्र भेजने के बाद यदि उसकी सेवा या पद से छठनी हो जाती है तो वह पात्र बना रहेगा।
- (ii) जो उम्मीदवार विभाग को अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद किसी अन्य विभाग/कार्यालय को स्थानान्तरित हो जाता है वह उस पद(पदों) हेतु विभागीय ग्रामीण सम्बन्धी रियायत लेकर प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का पात्र रहेगा जिसका पात्र वह स्थानान्तरण न होने पर रहता, बताते कि उसका आवेदन-पत्र विधिवत अनुशंसा सहित उसके मूल विभाग द्वारा अप्रेषित कर दिया गया हो।

7. उम्मीदवार के पास—

- (क) भारत के केन्द्र या राज्य विधान मण्डल के अधिनियम द्वारा निर्गमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुवान आयोग अधिनियम, 1956 की द्वारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्य घोषित किसी अन्य शिक्षा संस्थान से भू-विज्ञान या प्रयुक्ति भू-विज्ञान या समुद्र भू-विज्ञान में 'मास्टर' डिग्री, या
- (ख) भारतीय खान विद्यालय घनबाद युक्त भू-विज्ञान में एसोशिएटशिप का डिप्लोमा,
- (ग) कर्नाटक विश्वविद्यालय से खानज अन्वेषण में एम०एससी० डिग्री (केवल भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण) के पदों के लिए।

नोट I :—यदि उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह परीक्षा में बैठें का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सुचना

न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को, यदि वे अन्यथा पात्र होंगे तो परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनन्तिम मानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 31 जुलाई, 1982 तक प्रस्तुत नहीं करते तो वह अनुमति रद्द की जा सकती है।

नोट II:—विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी शैक्षिक ट्रूस्ट से योग्य मान सकता है जिसके पास इस नियम में विविह अर्हताएँ नहीं कोई अर्हता न हो, बरते कि उम्मीदवार ने किस द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो। अतः आयोग के मतानुसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार का परीक्षा में प्रवेश उचित ठहर सके।

नोट III:—जिस उम्मीदवार ने अन्यथा अर्हता प्राप्त कर ली है, किन्तु उसके पास विदेशी विश्वविद्यालय की डिग्री है, तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और उसे आयोग की विकाश पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है।

8. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के पैरा 6 में निर्धारित शुल्क का भुगतान अवश्य करना चाहिए।

9. जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हैंसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं या जो सार्वजनिक उच्चमों में कार्यरत हैं उन्हें यह परिवधन (अण्डरटैकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

10. उक्त परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपाकृता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

11. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण पत्र (सटिफिकेट आफ एडमीशन) न हो।

12. जिस उम्मीदवार ने :—

- किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- किसी अन्य व्यक्ति के छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा

- जाली प्रलेख या ऐसे प्रलेख प्रस्तुत किये हैं जिनसे तथ्यों में केरबदल किया गया हो, अथवा
- गलत या झूठे वक्तव्य दिये हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- परीक्षा में उम्मीदवारों के सम्बन्ध में किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, अथवा
- उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा में या अभद्र आशय की हों, अथवा
- परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्बंधवाहर किया हो, अथवा
- परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, अथवा
- पूर्वोक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने का प्रयास किया हो या करने की प्रयत्न की हो, जैसी भी स्थिति हो, तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) लाया जा सकता है और इसके साथ ही उसे :—
 - आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन से,
 - केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से बारित किया जा सकता है, और
 - यदि वह सरकार के अन्तर्गत पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यशाही की जा सकती है।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक

(ग) (i) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अध्यादेदन जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और

(ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अध्यादेदन पर, यदि कोई हो, विचारन कर लिया गया हो।

13. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा अपनी विवक्षा पर निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं उन्हें व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जायेगा :

परन्तु यदि आयोग के मतानुसार सामान्य स्तर के आधार पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों के भरने के लिए इन जातियों के उम्मीदवार पर्याप्त संख्या में व्यक्तित्व परीक्षण के लिए साक्षात्कार हेतु नहीं बुलाये जा सकते हैं तो आयोग उनको स्तर में छूट देकर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुला सकता है।

14. परीक्षा के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अन्तिम रूप से दिये गये कुल प्राप्तियों के आधार पर उनके योग्यता क्रम के अनुसार उनके नामों की सूची बनायेगा और इस परीक्षा का परिणाम निकलने पर जितनी अनारक्षित खासी जगहों पर भर्ती करने का फैसला किया गया हो उनमें ही ऐसे उम्मीदवारों को योग्यता क्रम के अनुसार नियुक्त करने के लिये अनुशंसित की जाएगी जो आयोग द्वारा परीक्षा में योग्य पाये गये हों।

परन्तु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिये आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार नहीं भरे जा सकते हों, तो आरक्षित कोटा में कमी पूरा करने के लिए आयोग द्वारा स्थान हो, नियुक्ति के लिए अनुशंसित किये जा सकेंगे, बाश्तें कि ये उम्मीदवार इन सेवाओं पर नियक्ति के लिए उपयुक्त हों।

15. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाये इसका नियंत्रण आयोग स्वयं करेगा और आयोग उनसे परीक्षाफल के बारे में कोई पद व्यवहार नहीं करेगा।

16. परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति करते समय उम्मीदवार द्वारा आवेदन-पत्र में विभिन्न पदों के लिये बताये गये वरीयता क्रम पर आयोग द्वारा उचित ध्यान दिया जायेगा।

17. परीक्षा में पास हो जाने मात्र से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता, इसके लिये आवश्यक है कि सरकार

आवश्यकतानुसार जांच करके इस बात से सन्तुष्ट हो जाये कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिये हर प्रकार से उपयुक्त है।

18. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों की कुशलता पूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि विहित डाक्टरी परीक्षा के बाद जो यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की जाये, किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हुआ कि वह इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जायेगी। जिन उम्मीदवारों के नियुक्ति किये जाने की संभावना है केवल उन्हीं की डाक्टरी परीक्षा की जायेगी। डाक्टरी परीक्षा के समय उम्मीदवार शुल्क के रूप में ₹ 16.00 का भुगतान मेडिकल बोर्ड की करेंगे।

नोट—निराशा से बचने के लिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि ये परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी डाक्टरी परीक्षा करा लें। उम्मीदवारों को नियुक्ति से पहले जिन डाक्टरी परीक्षाओं से गुजरना होगा उनके स्वरूप के विवरण और मानक परिशिष्ट II में दिये गये हैं। 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुए भूतपूर्व सैनिकों और सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुए व्यक्तियों को पद विभेद की अपेक्षाओं के अनुसार स्तर में छूट दी जायेगी।

19. जिस व्यक्ति ने

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पहले से है, या

(ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है, तो वह सेवा में नियुक्ति के लिये पान्न नहीं माना जायेगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो जाये कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के छुसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के लिए अन्य कारण भी है तो वह किसी भी किंतु को इस नियम से छूट दी जा सकती है।

20. इम परीक्षा के माध्यम से जिन पदों के सम्बन्ध में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट III में दिया गया है।

परिशिष्ट I

1. परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जायेगी :—

भाग I—नीचे पैग दो में दिये गये विषयों में लिखित परीक्षा।

भाग II—आयोग द्वारा साक्षात्कार हेतु बुलाये जाने वाले उम्मीदवारों का व्यक्तित्व परीक्षण जो अधिकतम 200 अंकों (देखिये नीचे पैरा 7) का है।

2. लिखित परीक्षा निम्न विषयों में ली जायेगी :—

विषय	कोड नं०	समय	पूर्णांक
1	2	3	3
(1) सामान्य अंग्रेजी	01	1½ घण्टा	100
(2) भू-विज्ञान प्रश्न-पत्र I जिसमें सामान्य भू-विज्ञान भू-आकृति विज्ञान, संरचनात्मक भू-विज्ञान, स्तर- क्रम विज्ञान और जीवाश्म विज्ञान होंगे	02	3 घण्टे	200
(3) भू-विज्ञान प्रश्न पत्र II, जिसमें क्रिस्टल विज्ञान, खनिज विज्ञान, शैल विज्ञान और भू-रसायन विज्ञान होंगे	03	3 घण्टे	200
(4) भू-विज्ञान प्रश्न-पत्र III, जिसमें भारतीय खनिज निकेप, खनिज अन्वेषण, खनिज अर्थशास्त्र और आर्थिक भू-विज्ञान होंगे	04	2 घण्टे	150
(5) जल भू-विज्ञान	05	2 घण्टे	150

नोट :—वर्ग I और वर्ग II के अन्तर्गत पदों के लिए प्रतियोगी उम्मीदवारों को उपर्युक्त सभी विषय लेने होंगे। केवल वर्ग I के अन्तर्गत पदों के लिये प्रतियोगी उम्मीदवारों को उपर्युक्त (1) से (4) तक के विषय लेने होंगे और केवल वर्ग II के अन्तर्गत पदों के लिए प्रतियोगी उम्मीदवारों को (1) से (3) तक (5) तक विषय लेने होंगे।

3. सभी विषयों की परीक्षा पूर्णतः 'वस्तु पूरक' (बहु विकल्प उत्तर) प्रकार की होगी। नमूने के प्रश्नों सहित विवरण के लिए कृपया आयोग के नोटिस के अनुबन्ध II पर "उम्मीदवारों को सूचनार्थी विवरणिका" देखिये।

4. परीक्षा का स्तर और पाठ्यक्रम संलग्न अनुसूची के अनुसार होंगे।

5. उम्मीदवारों को उत्तर अपने ही हाथ से लिखने चाहिए। उन्हें उत्तर लिखने के लिए किसी लिखने वाले की सहायता की अनुमति नहीं दी जायेगी।

6. आयोग परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के लिए अर्हक अंक निश्चित कर सकता है।

7. व्यक्तित्व परीक्षण करते समय उम्मीदवार की नेतृत्व क्षमता, पहल तथा मेधाशक्ति, व्यवहार कुण्डलता तथा अन्य सामाजिक गुण, मानसिक तथा शारीरिक ऊर्जस्तिता, आयोगिक अनुप्रयोग की शक्ति और चारित्रिक निष्ठा के निर्धारण पर विशेष ध्यान दिया जायेगा।

अनुसूचीस्तर और पाठ्यक्रम

अंग्रेजी के प्रश्न पत्र का स्तर ऐसा होगा जिसकी अपेक्षा विज्ञान के स्नातक से की जाती है। भूवैज्ञानिक विषय भारतीय विश्वविद्यालय की एम०एस०सी०डिग्री स्तर के होंगे और सामान्यतः प्रत्येक विषय में ऐसे प्रश्न रखे जाएंगे जिनसे उम्मीदवारों की विषय की समझ का पता लग सके।

किसी भी विषय की प्रयोगिक परीक्षा नहीं होगी।

(1) सामान्य अंग्रेजी (कोड 01)

अंग्रेजी भाषा की समझ और अभिव्यक्त करने की क्षमिता की जांच करने के प्रश्न दिए जायेंगे।

(2) भूविज्ञान प्रश्न पत्र I (कोड—02)क—सामान्य भू-विज्ञान—भू उद्गम

महाद्वीप और महासागर—उनका विभाजन, विकास और उद्गम। महाद्वीपीय विस्थापन, महासागर विस्तारण और प्लेट विवर्तनिकी की संकल्पना पुराजलवाय और उसकी विशेषता। समस्थिति। पुराजलमूल्य। विघटनामिकता और उसका भू-विज्ञान में अनुप्रयोग। भूकालानक्रम और भू-काल। भूकम्प-विज्ञान और भूगर्भ। भूअभिनवि। ज्वालामुखीयता। द्वीप चार्प गम्भीर, सागर, खाईयां और मध्य महासागरीय कटक। कोरल रीढ़। पर्वतन और महादेश रचना। पर्वतनी घटक।

ख—भू-आकृति विज्ञान—भू आकृतिक प्रक्रम; लक्षण और उनके प्राचल। भारतीय चत्र और उनका अर्थ निर्वाचन। स्थलाकृति और संरचनाओं से इसका सम्बन्ध। मवा।

ग—संरचनात्मक भूविज्ञान—चट्टानों के भौतिक गुण। विरूपण-भ्रंशन और बलन-उनकी यांत्रिकी। प्राथमिक संरचना। सरेखण, शल्कन और जोड़। वितल अन्तवधी और लक्षण गुम्बद। संस्तरों के शीर्ष तथा तल की पहचान। विषय विन्यास। पटल विरूपण। शैल सविन्यासी विश्लेषण।

घ—स्तरिकी—स्तरिकी के सिद्धांत तथा 'नामपद्धति। विश्व स्तरिकी तथा पुराभूगोल की रूपरेखायें। भूविज्ञान की विभिन्न प्रणालियां के प्रलृप् अनुमान। गोड़वाना प्रणाली तथा गोड़वाना महाखण्ड।

भारतीय उपमहाद्वीप (भारत, पाकिस्तान तथा बंगला देश) की स्तरिकी तथा पुराभूगोल प्रमुख भारतीय शैल समूह में सहसंबंध। भारतीय स्तरिकी में काल विषयक समस्याएं।

इ—पुराभूगोल (क) जीवाश्म, उनके प्रकार, संरक्षण पद्धति तथा प्रयोग। अक्षेरूक्तियों का आकृति-विज्ञान, वर्गीकरण तथा भूविज्ञान सम्बन्धी इतिहास; प्रवाल; भजपाद, पटलं कलोम,

एमोनाइटीज; जठरपाद, ट्राइलोहाईटीज; शूल घर्मी; ग्रन्टोलाइट्स और फार्मिनीर्क्स।

(व) गोंडवाना तथा शिवालिक प्राणिजात पर बल देते हुए कशस्कियों के प्रमध समूह। मानक, हाथी तथा घोड़ा का विकास ब्रह्म।

(ग) गोंडवाना वनस्पति पर बल सहित जीवाशय वनस्पति तथा इसका महत्व और चितरण।

(घ) सूक्ष्मपुराभूगोल : फोरमिनीफराइट्स के विशेष सन्दर्भ में इसका महत्व, उनकी परिस्थिति विज्ञान तथा पुरास्थिति विज्ञान।

(3) भूविज्ञान प्रश्न पत्र II (कोड 03)

क—क्रिस्टल विज्ञान

क्रिस्टलों के सम्मिलित तथा वर्गीकरण। प्रक्षेत्र—गोलीय तथा त्रिविम, 32 क्लास (विन्दु समूह)। यमलम तथा क्रिस्टल अपूर्णता।

ख—वर्णनात्मक खनिज विज्ञान

खनिजों के भौतिक, रसायनिक, वैश्वृत, चुम्बकीय तथा तापीय गण धर्म। सिलिकेटों की संरचना तथा वर्गीकरण।

आलिवीन ग्रुप, गार्नेट ग्रुप, एमिडोट ग्रुप और मलिलाइट ग्रुप। जरकान, स्फीन, सिलिमनाइट, एन्डालसाइट, कायनाइट, प्रूबराज, स्टारोलाइट, वैरिल, कार्डिएराइट, द्वूरमैलीन। पाइराक्सीन ग्रुप और एमिक्षोल ग्रुप। बोलेस्टोनाइट और रोडोनाइट। अभ्रक समूह, क्लोरोराइट ग्रुप तथा मूर्तिका खनिज। फैल्डस्पार ग्रुप, सिलिका मिनरल्स फैल्सपैथाइट ग्रुप। जियो लाइट ग्रुप तथा स्कैपो लाइट ग्रुप। आक्साइट्स, हाइड्रोक्लाइट्स कार्बोनेट्स, फास्फेट, हैलाइट्स, सल्फाइड्स तथा सल्फेट्स।

ग—प्रकाशित खनिज विज्ञान

प्रकाशिकी के सामान्य सिद्धांत। प्रकाशिक उप साधन अपवर्तन, द्विग्रावर्तन, विलोप कोण, बहुवर्णता। प्रकाशिक दीर्घवतज, प्रकाशिक अक्षीय कोण। प्रकाशक अभिविन्यास परिक्षेपण। प्रकीर्णन। प्रकाशिक विसर्गतियां।

घ—शैलविज्ञान

(i) आग्नेय : स्वरूप संरचना, गठन और वर्गीकरण। ग्रेनाइट—ग्रेनोडोपोरोइट। साइनाइट—नैफेलाइन साइनाइट। ग्रेनोपेरीडोइट-ड्लूलाइट। डालराइट, लैम्प्रोफायर, पैग्माटाइट, एप्लाइट, आईजोलाइट तथा कार्बोनाइटाइट। रिमोलाइट, ट्रेकाइट, फैक्टाइट, ऐडेजाइट तथा बेसाल्ट।

सिलिकेट सिस्टम में प्रावस्था नियम तथा साम्यता। द्विघटक तथा त्रिघटक तन्त्र। क्रिस्टलीकरण क्रम। अभिक्रिया सिद्धांत/क्रिस्टलीकरण—अनेकता। विप्रस्थता। विभिन्नता आरेख। ग्रेनाइट्स, मोनोनिनरलिक तथा कारीय शैल, कार्बोनाइट्स, पैग्माटाइट्स तथा लम्प्रोफायरों का उद्गम।

(ii) अवसादी : वर्गीकरण तथा बनावट। अवसादों का मूल। गठन और संरचना। अवसादी शैलों के प्रमुख समूहों का अध्ययन। अवसादों का यांत्रिक विश्लेषण। तिक्षेपण नि पद्धतियां। पुराधारायें तथा द्रोणी विश्लेषण। अवसादों का

उद्गम ज्ञेन। विक्षेपणीय पर्यावरण, भारी खनिज तथा उनका महत्व। शिली भवन तथा प्रसंधन।

(iii) कायान्तरित शैल : कायान्तरण के कारण, प्ररूप, नियंत्रण, संरचना, व्येणी तथा संलक्षण। कायान्तरी विभेदन। तत्पांतरण तथा ग्रेनाइटी भवन। अभिसंरचना, कणिकाशम, आनोकाइट, बोलाइट्स, शिस्ट, नाइसिसेज और हार्नेएम्फिसफेल्स। भेड़मा और ओरोजनी के संबंध में कायान्तरण।

इ—भू-रसायन विज्ञान

प्रवयवों का अन्तरिक्षी बाहुल्य, पद्धी का प्रारम्भिक भू-रसायनिक विवरण, प्रवयवों का भू-रसायनिक वर्गीकरण, अनुरोध अवयव। जल का भू-रसायन विज्ञान। प्रवयवों का भू-रसायन विज्ञान, भू-रसायनिक चक्र तथा भू-रसायनिक पूर्वेक्षण के सिद्धांस्त।

(4) भू-विज्ञान प्रश्न-पत्र III (कोड-04)

क—भारतीय खनिज निक्षेप

निम्नलिखित द्वातु तथा अद्वातु प्रयोगों और खनिजों का भारतीय निक्षेप, जो उनके वितरण, उपस्थिति तथा उद्गम प्रणाली के सन्दर्भ में हो;

(क) ताँबा, सीसा, जस्त, एल्यूमिनियम, मैग्नेशियम, लोहा, मैग्नीज, ओमियम, सोना, चांदी, टंगस्टैन तथा मोलिब्डेनम।

(ख) अध्रक, वामक्यूलाइट, एस्टेस्टस, बेरीटिस, ग्रेफाइट, जिप्सम, गरिक, मूल्यवान तथा अल्पमूल्य खनिज, उच्चतापसह खनिज, अपष्टी तथा भृत्तिकाशिल्प हेतु खनिज, कांच, उर्वरक, सीमेंट, प्रलेख तथा वर्णन उद्योग निर्माणी पत्थर।

(ग) कोयला, पैट्रोलियम, प्राकृतिक गैस तथा परमाणु ऊर्जा खनिज।

ख—खनिज अन्वेषण

पृष्ठीय अपृष्ठीय अन्वेषण की पद्धतियां, क्षेत्रगत उपस्कर तथा अन्वेषण हेतु क्षेत्रगत परीक्षण; अयस्क निक्षेपों का पता देने वाले निवेश, अयस्क निक्षेपों का प्रतिक्रयन, आमामन और भूल्यांकन। खनिज अन्वेषण में भू-भौतिक, भू-रसायनिक तथा भूवैज्ञानिक सर्वेक्षणों का अनुप्रयोग।

ग—खनिज अर्थशास्त्र

राष्ट्रीय अर्थ अवस्था में खनिजों का महत्व। विनिर्माण उद्योगों में विभिन्न खनिजों का प्रयोग। मांग, आपूर्ति और प्रतिस्थापन। भारत के प्रमुख खनिजों का उत्पादन तथा मूल्य। खनिज उद्योगों के अन्तर्राष्ट्रीय पहलू। सामरिक, कांतिक और अनिवार्य खनिज। संरक्षण तथा राष्ट्रीय खनिज भीति। खनिज उत्पादन में भारत की स्थिति।

घ—प्रार्थिक भूविज्ञान

खनिज निक्षेप—रूपण प्रक्रिया, स्थानिकीकरण का नियंत्रण तथा वर्गीकरण। आवश्यक धारिक तथा अधारिक खनिजों का अध्ययन, जो उनकी खनिजीयता, उपस्थिति तथा वितरण के सन्दर्भ में किया गया हो।

5. जल-भूविज्ञानी (कोड 05)

जल-भूविज्ञान चक्र। भू-पर्यटी में जल वितरण। जलीय धक्र में भू-जल आकाशी, पिंगमज और मैमीय जल और झोतों का उद्भव। जलधारी लक्षणों की दृष्टि से शैलों का वर्गीकरण, जल स्तरिकी एकक। भूजल की उपस्थिति के अनकल भूविज्ञानिक संरचना, भू-जल क्षेत्र। भू-जल भंडार—जल भर, मितजलभूत, अक्वीटाइंस। जलभरों का वर्गीकरण।

शैलों के जलवैज्ञानिक गुणधर्म (भू-जल भंडार)—संरक्षित अनुपात, चुम्बकशीलता, पारगम्यता, स्टोरेटिविटी, आपेक्षिक परामर्श, आपेक्षिक धारिता, विसरणशीलता। भू-जल भंडार के गुणधर्मों की पहचान की पद्धतियाँ—कूप पद्धतियों तथा प्रयोग-शाला प्रविधियों के विसर्जन द्वारा चुम्बक शीलता और आपेक्षिक परामर्श। स्टोरेटिविटी की पहचान। भू-जल की गति प्रदान करने वाले बल। भू-जल गति के नियम-डार्सी नियम के भू-जल का पुनर्भरण—इनिम तथा प्राकृतिक, पुनर्भरण के नियन्त्रक कारक, भू-जल के युति और क्षयी प्रयोग।

भू-जल प्रन्वेषण की पृष्ठीय तथा उपपृष्ठीय प्रविधियाँ—भू-वैज्ञानिक तथा भू-भौतिक—जल संतुलन। भू-जल मिल्कर्लेण की प्रविधियाँ (कप-प्ररूप सर्वाधिक उपज हेतु विभिन्न प्रकार के शैल—झेलों में कूप-निर्माण की पद्धतियाँ)। विभिन्न प्रकार के प्रयोगों—घर, उद्योग तथा सिंचाई सम्बन्धी के सदर्भ में भू-जल के रासायनिक लक्षण, जल प्रदूषण।

परिशिष्ट-II

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षाओं (मेडिकल एक्जामिनेंस) के मार्ग निर्देशन के लिए भी हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता तो उसे स्वास्थ्य परीक्षाओं द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जा सकता। किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित मानक के अनुसार स्वस्थ न मापते हुए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए भारत सरकार को यह अनुशंसा कर सके कि उक्त उम्मीदवार को सेवा में लिया जा सकता है और इससे सरकार को कोई हानि नहीं होगी।

यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि भारत सरकार को चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद किसी भी उम्मीदवार को प्रस्तुति या स्वीकृत करने का पूर्ण प्रधिकार होगा। उन रक्षा सेवाओं के कर्मचारियों तथा सीमा सुरक्षा बल के कर्मचारियों के मामले में जो 1971 के भारत-पाक शत्रुता संघर्ष में फैजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए हैं और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए हैं, पदों की अपेक्षाओं को देखते हुए, उन्हें स्तर में छूट दी जाएगी।

1. नियुक्ति के लिए स्वास्थ्य ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवारों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे

नियुक्ति के बाद दलतापूर्वक काम करने में आधा पड़ने की संभावना हो।

2. भारतीय (एंग्लोइंडियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कद और छाती के धेर के परस्पर सम्बन्ध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर सम्बन्ध के प्राकृति सभ से अधिक उपयुक्त समझे व्यवहार में लाएं। यदि वजन, कद और छाती के धेर में विषमता हो तो जांघ के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और उसकी छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ प्रथवा प्रस्तुत घोषित करेगा।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा :—

वह अपने जूते उतार देगा और उस माप दण्ड (स्टेपलर) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांच प्राप्ति में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाय एडियों के पांचों के अंगूठों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एडियाँ, पिडलियाँ, नितम्ब और कंधे मापरंड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीची रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (बर्टेस आफ दि हैड लेवल) हारिं-जैंटल बार (आड़ी छड़ि) के नीचे जाए। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों के भागों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है :—

उसे इस भाँति छड़ा किया जाएगा कि उसके पांच जुड़े हों और उनकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि इसका ऊपरी किनारा ग्रांसफलक (शोल्डर ल्लेड) के निम्न कोणों (इन्फीरियर एंगिल्स) के पीछे लगा रहे और वह फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी ओर समतल (हारिंजैंटल/ल्लेन) में रहे। किर मूजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा। किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि फीता अपने स्थान से हट न जाए। तब उम्मीदवार को कई बार गहरी सांस लेने के लिए कहा जाएगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84-89, 86-93.5 प्रावि। माप रिकार्ड करते समय आधी सेंटीमीटर से कम भिन्न (फेलाव) को नोट नहीं करना चाहिए।

ध्यान दें :—अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापे जाने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन किया जाएगा और यह किलोग्राम में होगा। आधा किलोग्राम या उसका अंश नोट नहीं करना चाहिए।

6. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा :—

(i) सामान्य (जनरल) :—किसी रोग या असम्भाव्यता (एब्नार्मेलिटी) का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार को आंखों, पलकों अथवा साथ लगी संरचनाओं (कान्टिग्राइस्ट ट्वैक्चर्स) का कोई ऐसा रोग हो जो उसे अब या आगे किसी समय सेवा के लिए अधिक बना सकता है, तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(ii) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एफ्युइटी) :—दृष्टि तोक्ता का निर्धारण करने के लिए दो तरह की जांच की जाएगी। एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजदीक की नजर के लिए। प्रत्येक आंख की अलग-अलग परीक्षा की जाएगी।

चश्मे के बिना आंख की नजर (नेकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में मेडिकल बोर्ड या प्रत्येक मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल-सूचना (वैसिक इन्फारमेशन) मिल जाएगी।

चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दृष्टि तीक्ष्णता का मानक निम्नलिखित होगा :—

दूर की दृष्टि	निकट की दृष्टि			
आंचली	खराब	आंचली	खराब	
आंख	आंख	आंख	आंख	
35 वर्ष से कम	6/9	6/9	0.6	0.8
आयु वाले	अथवा	अथवा		
उम्मीदवारों के	6/6	6/12		
लिए				

नोट (1) : मार्गोपिया का कुल परिमाण (सिलेंडर सहित) 4.00 डी० से अधिक नहीं होना चाहिए। हाइपर मेट्रोपिया का कुल परिमाण (सिलेंडर सहित) + 4.00 डी० से अधिक नहीं होना चाहिए।

नोट (2) : फँडस परीक्षा : जहाँ तक संभव होगा चिकित्सा बोर्ड की विविध पर फँडस परीक्षा की जाएगी और परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

नोट (3) : कलर विजन :

- (i) कलर विजन की जांच जरूरी होगी।
- (ii) नीचे दी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) प्रेडों में होना चाहिए। लो लैटर्न में एपर्चर के आकार पर निर्भर होगा।

प्रेड	रंग के प्रत्यक्ष	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान
	ज्ञान का उच्चतर	ज्ञान का निम्नतर प्रेड
1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	4. 9 मीटर	4. 9 मीटर
2. द्वारक (एपर्चर) का आकार	1. 3 मि० मीटर	1. 3 मि० मीटर
3. उद्भाषन काल	5 सेकेंड	5 सेकेंड

जनता की सुरक्षा से सम्बद्ध सेवाओं के लिए अर्थात् पायलेटों, ड्राइवरों, गाड़ी आदि के लिए कलर विजन का उच्चतर प्रेड आवश्यक है किन्तु अन्य के लिए कलर विजन का निम्नतर प्रेड उपयुक्त समझा जाएगा। कलर विजन का यही स्तर समस्त इंजीनियरी कार्मिकों के सम्बन्ध में भी लागू होगा, जिन मामलों में रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान आवश्यक हो चाहे उनकी ड्यूटी क्षेत्रगत कार्य (फील्ड वर्क) से संबद्ध हो या नहीं।

(iii) लाल संकेत, हरे संकेत और सफेद रंग को आसानी से और हिचकिचाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक कलर विजन है इंशिहारा के प्लेटों के इस्तेमाल को जिन्हें एडिज ग्रीन की लैटर्न जैसी उपर्युक्त लैटर्न और उसके रोशनी में दिखाया जाता है कलर विजन की जांच करने के लिए बिल्कुल विश्वसनीय समझा जाएगा। वैसे तो दोनों आंखों में से किसी भी एक जांच को साधारण तथा पर्याप्त समझा जा सकता है। लेकिन, सड़क, रेल और हवाई यातायात से संबंधित सेवाओं के लिए लैटर्न से जांच करना लाजी है। शक वाले मामले में जब उम्मीदवार को किसी एक जांच करने पर अधोग्य पाया जाए तो दोनों ही तरीकों से जांच करनी चाहिए।

नोट (4) : दृष्टि थेल (फील्ड आफ विजन) : सम्मुख विधि (कन्फ़लेशन मैथड) द्वारा दृष्टि थेल की जांच की जाएगी। अब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब थेल को परमापी (पैरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

नोट (5) : रत्नौधी (नाइट ब्लाइन्डेनस) :—केवल विशेष मामलों को छोड़कर रत्नौधी की जांच नेमी रूप से जरूरी नहीं है। रत्नौधी में दिखाई न देने की जांच करने के लिए कोई स्टेंडर्ड स्टेट निश्चित नहीं है। मेडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम चलाऊ टेस्ट कर लेने चाहिए जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को अंधेरे कम्बरे में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के कहने पर ही हमेशा विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए :—

नोट (6) : दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की दशाएं (आक्युलर कन्डीशन्स) :

(क) आंख की अंग सम्बन्धी बीमारी को या बढ़ती हुई अपवर्तन लुटि (रिफ्रिग्विएर) को, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता से कम होने

की संभावना हो, श्रयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ख) रोहे (द्रूकोमा) : रोहे जब तक भयानक न हों साधारणतः श्रयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए।

(ग) मैगापन : जहां दोनों आंखों की दृष्टि का होना जरूरी है मैगापन श्रयोग्यता भाना जाएगा, आहे दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही क्यों न हो।

(घ) एक आंख वाला व्यक्ति : एक आंख वाले व्यक्ति की नियुक्ति हेतु अनुशंसा नहीं की जाएगी।

7. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर) :—

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड घपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल मेस्मीयम सिस्टालिक प्रेशर के आकलन का काम अलाउ विधि निम्न प्रकार है :—

(i) 15 से 25 वर्ष के युवा व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 आयु होता है।

(ii) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन में 110+आधी आयु का सामान्य नियम विल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दें :—सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० के ऊपर सिस्टालिक प्रेशर और 90 एम० एम० के ऊपर डाय-स्टालिक प्रेशर को संदिग्धत मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को श्रयोग्य या योग्य ठहराने के सम्बन्ध में घपनी अंतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह भी पता लगाना चाहिए कि घबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई कापिक (आर्गेन्टिनिक) बीमारी है। ऐसे सभी मामलों में छव्य का एक्सरे और इलैक्ट्रोकार्डियोग्राफी जांच रक्त यूरिया निकाय (क्लियरेंस) की जांच भी नमी तीर पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका :—

नियमित : पारे वाले दाबमापी (मर्केरी मानोमीटर) किसम का उपकरण (इंस्ट्रुमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा था लेटा हो बशर्ते कि वह और विशेषकर उसकी बांह शिथिल और आराम से हो। बांह थोड़ी बहुत हॉरिजंटल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर ही तथा उसके कंधे से कपड़ा उतार देने चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रबड़ को भुजा के अन्दर की ओर रख कर और उसके निचले किनारे को कोहनी के भोड़ से एक या थोड़ा हंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के भोड़ पर बाहु धमनी (ब्रेकिग्रस आर्टरी) को दबा-नद्या कर ढंडा जाता है और तब इसके ऊपर बीचों-बीच स्टेपोस्कोप को हूँके से लाया जाता है जो कफ के साथ न

लगें। कफ में लगभग 200 एम० एम० जी० हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्रामक व्यनियां सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्थालिक प्रैशर दर्शाता है, जब और हवा निकाली जाएगी तो और तेज व्यनियां सुनाई पड़ेगी। जिस स्तर पर ये साथ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली व्यनियां हल्की दबी हूँड़ सी लुप्त प्रायः हो जाएँ यह डाय-स्टालिक प्रैशर है। ब्लड प्रैशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षोमकारी होता है और इससे रीडिंग गलत होती है। यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर व्यनियां सुनाई पड़ती हैं; दाब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं तथा निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस 'साइलेंट ग्रीप' से रीडिंग में गलती हो सकती है।

8. परीक्षक की उपस्थिति में किए गए मूँब की ही परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूँब में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के घातक चिह्न और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसरिया) के सिवाय, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है इसका ग्लूकोज मेह अमधुमेही (नान डायबेटिक) है और बोर्ड इस केस को मेडिसिन के किसी ऐसे निदिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएँ हों। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टालरेस टैस्ट समेत जो भी किलनिकल या लेबोरेटरी परीक्षाएँ जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड का "फिट" "अनफिट" की अंतिम राय अधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औपचारिक प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख रेख में रखा जाए।

9. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला 12 हफ्ते उम्मीदवार के इससे अधिक समय की गंभीरती पाई जाती है तो उसको अस्थाई रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव पूरा न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी का स्वस्थता प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूती की तारीख के 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वस्थता परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए :

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है और उसके कान में बीमारी का कोई चिह्न नहीं है। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ

द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की आवाजी का इलाज शल्य किया (आपरेशन) या हिर्मिंग ऐड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बशर्ते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो। यह उपबन्ध भारतीय रेल भंडार सेवा के अलावा अन्य रेल सेवाओं, सेना इंजीनियरी सेवा, तार इंजीनियरी सेवा युप के तार यातायात सेवा युप ख, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा युप क और केन्द्रीय वैद्युत इंजीनियरी सेवा युप पर लागू नहीं हैं। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्गदर्शन के लिए इस सम्बन्ध में निम्नलिखित जानकारी दी जाती है:—

1	2	3
(1) एक कान में प्रकट यदि फीक्वेंसी में बहुरापन अथवा पूर्ण बहुरापन, 30 डेसीबिल तक हो तो गैर-दूसरा कान सामान्य तकनीकी काम के लिए योग्य।		
(2) दोनों कानों में बहुरेपन का प्रत्यक्ष बोध, जिसमें श्ववण घंटा (हिर्मिंग ऐड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो।	यदि 1000 से 4000 तक की स्पीच-फीक्वेंसी में बहुरापन 30 डेसीबिल तक हो तो तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कान के लिए योग्य।	
(3) सेन्ट्रल अथवा मार्जिनल टाइप के टिम्पेनिक मेम्ब्रेन छिद्र।	(i) एक कान सामान्य हो दूसरे कान में टिम्पेनिक मेम्ब्रेन में छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य। कान की शल्य चिकित्सा की स्थिति सुधारने से बोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्र बाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिए गए नियम 4 (ii) के अधीन विचार किया जा सकता है। (ii) बोनों कानों में मार्जिनल या एटिक छिद्र होने पर अयोग्य। (iii) दोनों कानों में से दूसरे छिद्र होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य।	
(4) कान के एक ओर से/दोनों ओर से मस्टायड कैबिटी से सब-नार्मल अवण।	(i) किसी एक कान के सामान्य रूप से एक ओर से मस्टायड कैबिटी से सुनाई देता हो दूसरे कान में सब-नार्मल-अवण बाले कान/मस्टायड कैबिटी होने पर तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कानों के लिए योग्य। (ii) बोनों ओर से मस्टायड कैबिटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य, यदि किसी भी	

1	2	3
		कान की अवणता अवण-न्यूस लगाकर अथवा बिना लगाए सुधार कर 30 डेसीबिल हो जाने पर गैर-तकनीकी कानों के लिए योग्य।
(5)	बहते रहने वाला कान आपरेशन किया गया/मिना आपरेशन वाला।	तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कानों के लिए अस्थायी रूप में अयोग्य।
(6)	नासापुट की हड्डी सम-बंधी/विस्मताओं (बोनी डिफर्मिटी) सहित अथवा उससे रहित नाक की जीर्ण प्रदाहक एल-जिक दशा।	(i) प्रत्येक मामले की परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा। (ii) यदि लक्षणों सहित नासापुट अपसरण विद्यमान होने पर अस्थायी रूप में अयोग्य।
(7)	टांसिल्स और/अथवा स्वर्यंत्र (लेन्सिस) की जीर्ण प्रदाहक दशा।	(i) टांसिल और/अथवा स्वर्यंत्र की जीर्ण प्रदाहक दशा योग्य। (ii) यदि आवाज में अस्थायिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।
(8)	कान, नाक, गले (ई० एन० टी०) के हल्के अथवा अपने स्थान पर दुर्देख द्यमर।	(i) हल्का द्यूमर—अस्थायी रूप से अयोग्य। (ii) दुर्देख द्यूमर—अयोग्य।
(9)	ग्रास्टोकिरोसिस	अवण तंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाद अवणता 30 डेसीबिल के अन्वर होने पर योग्य।
(10)	कान, नाक अथवा गले के जन्मजात दोष।	(i) यदि काम काज में बाधक न हो तो योग्य। (ii) भारी मात्रा में हक्कलाहट हो तो अयोग्य।
(11)	नेजल पोली	अस्थायी रूप से अयोग्य।
(ख)	उम्मीदवार बोलने में हक्कलाता/हक्कलाती नहीं हो।	
(ग)	उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिए जल्दी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं। (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा)।	
(घ)	उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिल या फेफड़े ठीक हैं या नहीं।	

- (इ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।
- (ख) उसे रपचर है या नहीं।
- (छ) उसे हाईड्रोसील, बढ़ी हुई बरिकोफील, बेरिकाजशिरा (येन) या बवासीर है या नहीं।
- (ज) उसके ग्रंथों, हाथों, और परों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी ग्रंथियाँ भली भांति स्वतंत्र रूप से हिलती हैं या नहीं।
- (झ) उसके कोई चिरस्थाई रुक्षा की बीमारी है या नहीं।
- (ञ) कोई जन्मजात कुरधना या दोष है या नहीं।
- (ट) उसमें किसी उग्र या जीण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिन से कमज़ोर गठन का पता लगे।
- (ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं।
- (ड) उसे कोई संचारी (कम्प्यूनिकेल) रोग है या नहीं।

11. दिल और फेफड़े की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो, सभी मामलों में नेमी रूप से छाती की एक्सरे परीक्षा की जानी चाहिए।

जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में घ्रवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्वक छूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

मोट:—उम्मीदवारों को खेतावनी दी जाती है कि उपर्युक्त सेवाओं के लिए उनकी योग्यता का निर्धारण करने के लिए नियुक्त स्पेशल या स्टेंडिंग मेडिकल बोर्ड के निलाफ़ उन्हें अपील करने के लिए कोई हक नहीं है, किन्तु यदि सरकार को प्रथम बोर्ड की जांच में निर्णय की गलती की संभावना के संबंध में प्रस्तुत किए गए प्रमाण के बारे में तसल्ली हो जाए तो सरकार दूसरे बोर्ड के सामने एक अपील की इजाजत दे सकती है। ऐसा प्रमाण उम्मीदवार को प्रथम मेडिकल बोर्ड के निर्णय भेजने की तारीख के एक महीने के अवधि पेश करना चाहिए वरना दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने अपील करने की प्रार्थना पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि प्रथम बोर्ड के निर्णय की गलती की संभावना के बारे में प्रमाण के रूप में उम्मीदवार मेडिकल प्रमाण पत्र पेश करें तो इस प्रमाण पत्र पर उस हालत में विचार नहीं किया जाएगा जबकि उसमें संबंधित मेडिकल प्रैक्टीशनर का इस आशय का नोट नहीं होगा कि यह प्रमाण पत्र इस तथ्य के पूर्ण ज्ञान के बाद ही दिया गया है कि उम्मीदवार पहले से ही सेवाओं के लिए मेडिकल बोर्ड द्वारा अयोग्य घोषित करके अस्थीकृत किया जा चुका हो।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्ग दर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है:—

शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टैन्डर्ड से संबंधित उम्मीदवारों की आयु और सेवा काल (यदि हो) के लिए जांचते गुजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा, जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपार्टमेंट अपार्टमेंट) को यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाज़ी इन्फार्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्राप्त भविष्य में भी उतना ही समझ है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले में अकाल मरण होने पर समय पूर्व देशन या अवायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि यही प्रश्न केवल निरंतर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार की अस्थीकृत करने की सलाह इस हाल में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम परिस्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोगित किया जाएगा।

जो उम्मीदवार भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) और सहायक भू-विज्ञानी के पदों पर नियुक्त किए जाएंगे उन्हें भारत में या भारत से बाहर भेजते कार्य करना होगा। ऐसे उम्मीदवार के मामले में चिकित्सा बोर्ड को अपना मत स्पष्ट रूप से अक्षत करना चाहिए कि वह भेजते कार्य के लिए योग्य है या नहीं।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट गोपनीय रखनी चाहिए।

ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्थीकार किए जाने के आधार पर उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किन्तु मेडिकल बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उसका विस्तृत व्यौरा नहीं दिया जा सकता है।

ऐसे मामलों में जहां मेडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी मोटी खराबी चिकित्सा (मेडिकल या सर्जिकल) दूर हो सकती है वहां मेडिकल बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए।

नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है जब वह खराबी दूर हो जाए तो एक दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थिति होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतंत्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर पर अयोग्य करार दिया जाए तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम छह महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा की जाए तो ऐसे उम्मीदवारों को और आगे की अवधि के लिए स्थाई तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनकी योग्यता के संबंध में अधिवादे वे इस नियुक्ति के लिए अयोग्य हैं ऐसा निर्णय अंतिम रूप से दिया जाना चाहिए।

द्रुटि की तीक्ष्णता	चम्मे के बिना चम्मे से चम्मे की पावर	13. छाती की एक्सरे परीक्षा की रिपोर्ट—
दूर की मजार	दा० ने०	14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह इस सेवा की इयूटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अधिक हो सकता है।
पास की मजार	दा० ने०	<u>नोट</u> —महिला उम्मीदवार के मामले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह अथवा उसमें अधिक समय से गर्भिणी है तो उसे अस्थाई रूप से अधिक धौषित किया जाना चाहिए देखें विनियम 9।
हाईपरमेट्रोपिया	बा० ने०	
(अधक्त)		
4. कान: निरीक्षण	सुनना	15. (क) उम्मीदवार परीक्षा कर लिए जाने के किन सेवाओं में कार्य के दक्ष तथा सतत निष्पादन हेतु सभी प्रकार से योग्य पाया गया है और किन सेवाओं के लिए यह अधिक हो सकता है।
दायां कान	दायां कान	(ख) क्या उम्मीदवार क्षेत्रगत सेवा के लिए योग्य है।
5. धंथिया	थाईराइड	<u>नोट</u> —बोर्ड को अपना निर्णय निम्नलिखित तीन बगों में से किसी एक में रिकार्ड करना चाहिए।
6. बांतों की हालत		(i) योग्य
7. श्वसन तंत्र (रेसीरेटरी सिस्टम) — का शारीरिक परीक्षण करने पर सांस के झंगों में किसी असमानता का पता लगा है।		(ii) _____ के कारण अधिक
यदि पता लगा है तो असमानता का पूरा व्यूहा है—		(iii) _____ के कारण अस्थायी रूप से अधिक स्थान अध्यक्ष तारीख सदस्य
8. परिसंधरण तंत्र (सरक्यूलिटरी सिस्टम)		
(क) दृवय और आंगिक गति (अंगेनिक लीजन—गति (रेट) :		
खड़े होने पर		
25 बार कुदाए जाने के बाब		
कुदाए जाने के 2 मिनट बाद		
(ख) अलड प्रैशर	सिस्टायिक	
डायस्टालिक		
9. उच्चर (पेट) बेरा	स्पर्शस्थल शर्निया	
(क) दबाकर मालूम पड़ना : जिगर		
तिल्सी	गुर्दे	
ट्यूमर		
(ख) रक्नार्थ		
भग्नदर		
10. तंत्रिका तंत्र (नर्वेसिस्टम) तंत्रिका या मानसिक अपसाधायता का संकेत		
11. घाल तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम) :		
कोई अपसामान्यता		
12. जनन मूत्र तंत्र (जैनिटो यूरिटरी सिस्टम) —		
हाइड्रोसील, बेरिकोसील आदि का कोई संकेत : मूत्र परीक्षा :		
(क) कैसा दिखाई पड़ता है ?		
(ख) उपेक्षित गुणवत्ता (स्पेसिफिक ग्रेविटी)		
(ग) एल्बूमन		
(घ) शक्ति		
(झ) कास्टस		
(ञ) कोशिकाएं (सैल्स)		

13. छाती की एक्सरे परीक्षा की रिपोर्ट—
14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह इस सेवा की इयूटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अधिक हो सकता है।
- नोट—महिला उम्मीदवार के मामले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह अथवा उसमें अधिक समय से गर्भिणी है तो उसे अस्थाई रूप से अधिक धौषित किया जाना चाहिए देखें विनियम 9।
15. (क) उम्मीदवार परीक्षा कर लिए जाने के किन सेवाओं में कार्य के दक्ष तथा सतत निष्पादन हेतु सभी प्रकार से योग्य पाया गया है और किन सेवाओं के लिए यह अधिक हो सकता है।
- (ख) क्या उम्मीदवार क्षेत्रगत सेवा के लिए योग्य है।
- नोट—बोर्ड को अपना निर्णय निम्नलिखित तीन बगों में से किसी एक में रिकार्ड करना चाहिए।
- (i) योग्य
- (ii) _____ के कारण अधिक
- (iii) _____ के कारण अस्थायी रूप से अधिक स्थान अध्यक्ष तारीख सदस्य
- परिशिष्ट III**
- इस परीक्षा के प्राधार पर जिन पदों के लिए भर्ती की जा रही है उनके संबंध में संक्षिप्त विवरण।
- भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण**
- (1) भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) ग्रुप क
- (क) नियुक्ति के लिए चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहना होगा। आवश्यक होने पर यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है।
- टिप्पणी—चुने गए उम्मीदवारों को परिवीक्षा अवधि के दौरान ऐसा प्रशिक्षण लेना तथा ऐसी परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी जो सक्षम प्राधिकारी विहित करें।
- (ख) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में घेतन का निर्धारित वेतनमान :—
- (i) भू-विज्ञानी (कनिष्ठ वेतनमान) — रु 700-40-900- रु 100-40-1100-50-1300।
- (ii) भू-विज्ञानी (वरिष्ठ वेतनमान) — रु 1100-50-1600।
- (iii) निवेशक — रु 1500-60-1800-100-2000।
- (iv) उप महानिदेशक — रु 2250-125/2-2500-रु 100-125/2-2750।
- (v) महानिदेशक — रु 3000 (नियत)।
- (ग) सरकार द्वारा समय-समय पर प्रशोधित किए गए भर्ती नियमों के अनुसार विभाग में पदों के उच्चतर घेड़ों में पदोन्नति की जाएगी।

(घ) सेवा और अवकाश तथा पेंशन की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर अशोधित मूल नियमों तथा सिविल सेवा विनियमों में उल्लिखित हैं।

(अ) सरकार द्वारा समय-समय पर अशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित शर्तों के अनुसार भविष्य निधि की शर्तें लागू होंगी।

(ब) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण के समय अधिकारियों को भारत के किसी भी भाग में या भारत से बाहर कार्य करना पड़ सकता है।

(2) सहायक भू-विज्ञान प्रृष्ठ ख—

(क) नियुक्ति हेतु, चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवेक्षा पर नियुक्ति किया जाएगा। यदि आवश्यकता हुई तो यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है।

टिप्पणी :—चुने हुए उम्मीदवारों को परिवेक्षा अवधि के दौरान ऐसा प्रशिक्षण लेना तथा ऐसी परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी जो सक्षम प्राधिकारी विहित करें।

(ख) वेतन का नियांरित वेतनमान : रु 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200।

(ग) भू-विज्ञानी (प्रृष्ठ क—कनिष्ठ वेतनमान) के संबंध में भर्ती अंशतः/संघ लोक सेवा आयोग की प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा और अंशतः सरकार द्वारा समय-समय पर अशोधित भर्ती नियमों के अनुसार विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में सहायक भू-विज्ञान के निम्न प्रेष्ठ से पदोन्नति द्वारा की जाएगी।

(घ) सेवा और अवकाश पेंशन की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर अशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित हैं।

(च) सहायक भू-विज्ञानिकों को भारत में या भारत के बाहर कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

2. सहायक जल भू-विज्ञानी प्रृष्ठ ख

(क) नियुक्ति हेतु चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवेक्षा पर नियुक्ति किया जायेगा यदि आवश्यक समझा गया, तो यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है।

(ख) वेतन का नियांरित वेतनमान रु 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200।

(ग) कनिष्ठ जल भू-विज्ञानी (प्रृष्ठ क) के संबंध में भर्ती अंशतः संघ लोक सेवा आयोग की प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा और अंशतः समय-समय पर सरकार द्वारा अशोधित भर्ती नियमों के अनुसार

विभागीय नियमों पदोन्नति समिति द्वारा केन्द्रीय भू-जल बोर्ड के सहायक जल विज्ञानी के निम्न प्रेष्ठ में पदोन्नति द्वारा दी जाएगी।

(घ) सेवा, अवकाश और पेंशन की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर अशोधित मूल नियमों तथा सिविल सेवा विनियमों में उल्लिखित हैं।

(ङ) भविष्य निधि की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर अशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित हैं।

(च) सहायक भू-विज्ञानियों को भारत में या भारत के बाहर कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

नई विन्ली, दिनांक 18 सितम्बर 1981

संकल्प

सं. ई-11015/3/80-ह.अ.—इस विभाग के समसंस्थक संकल्प दिनांक 13 फरवरी, 1981 में अंशिक संशोधन करते हुए, उद्योग मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति में निम्नलिखित परिवर्धन/परिवर्तन करने का निश्चय किया गया है:-

1. उद्योग मंत्री-अध्यक्ष
2. उद्योग राज्य मंत्री-उपाध्यक्ष

इसके अतिरिक्त निम्नलिखित व्यक्तियों को समिति के गैर-सरकारी सदस्यों के रूप में शामिल करने का भी निश्चय किया गया है:-

सदस्य

1. डा. राम भनोहर त्रिपाठी-सदस्यों विधायक, महाराष्ट्र विधान परिषद, 561, न्यू मिलरोड, कुरुला, बम्बई-70
2. श्री विनोद कुमार मिश्र सम्पादक, दैनिक हिन्दुस्तान नई विल्ली।
3. श्री अशोक कुमार अश्वाल, सम्पादक, अमर उजाला, आगरा।
4. श्री आनन्द स्ट्रूलप जैन, सम्पादक, ज्वभारत टाइम्स, नई दिल्ली।
5. श्री धर्मवीर भारती, सम्पादक, टाइम्स ऑफ इण्डिया, बम्बई।
6. श्री विद्या भास्कर, बी-4/18, हन्मान बाट, दाराणसी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति समिति के सभी सदस्यों तथा भारत सरकार के मंत्रालयों/विभागों, प्रधान मंत्री का सचिवालय, लोकसभा, राज्यसभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय, भारत सरकार के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक और ओर्डोरिंग किकास के बेतन लेखा कार्यालय को भी भेजी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प जन साधारण की आनकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित कराया जाये।

रूप कल्प टिक्का
संयुक्त सचिव

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1981

संकल्प

सं. एफ. 11-5/78-एल. डी.-1—इस मंत्रालय के दिनांक 1 अप्रैल, 1981 तथा 26 अगस्त, 1981 के संकल्प सं. 11-5/78-एल. डी. 1 में आंशिक संशोधन करते हुए भारत सरकार इवारा यह निर्णय लिया गया है कि कृषि तथा सहकारिता विभाग, नई दिल्ली के अपर सचिव श्री पी. एस. कोहली को श्री पी. आर. दुभाषी के स्थान पर तत्काल से योजना आयोग, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, महालेखाकार केन्द्रीय राजस्व, निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, सचिव, राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड, आनन्द (गुजरात), सचिव, भारतीय डेरी निगम, बड़ौदा, भारतीय कृषि अनुसंधान परीक्षण, महानिवेशक स्वास्थ्य सेवाएं, निगम आयुक्त, दिल्ली नगर निगम अध्यक्ष, नई दिल्ली नगर पालिका को भेजी जाए।

2. सभी अन्य शर्तें यथापूर्व रहेंगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों, मंत्रिमंडल सचिवालय, प्रधान मंत्री सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय योजना आयोग, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, महालेखाकार केन्द्रीय राजस्व, निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, सचिव, राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड, आनन्द (गुजरात), सचिव, भारतीय डेरी निगम, बड़ौदा, भारतीय कृषि अनुसंधान परीक्षण, महानिवेशक स्वास्थ्य सेवाएं, निगम आयुक्त, दिल्ली नगर निगम अध्यक्ष, नई दिल्ली नगर पालिका को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि जन साधारण की आनकारी के लिए इसे भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

सं. 22-2/81-एल. डी.-1—राष्ट्रपति, भारतीय डेरी निगम की संगम की नियमावली के अनुच्छेद 15(2) इवारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए इस विभाग के अपर सचिव (सी. सी. सी. टी.) श्री पी. एस. कोहली को श्री पी. आर. दुभाषी के स्थान पर तत्काल से भारतीय डेरी निगम के निदेशकों के मंडल के निदेशक के पद पर नामजद करते हैं।

सं. 22-2/81-एल. डी.-1—राष्ट्रपति, राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड के निगमों और विनियोगों के निगम 2(क) इवारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए इस विभाग के अपर सचिव (सी. सी. सी. टी.) श्री पी. एस. कोहली को श्री पी. आर. दुभाषी के स्थान पर तत्काल से राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड के सदस्य के रूप में नामजद करते हैं।

एन. राजगोपाल
संयुक्त सचिव

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 1981

आदेश

सं. 12-1/80-एस. टी. घ.—उर्ध्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1957 के अनुच्छेद 2 के उप अनुच्छेद (स) के अनुसार में केन्द्रीय सरकार

श्री ए. जे. एस. सोठी के स्थान पर कृषि मंत्रालय के कृषि और सहकारिता विभाग के संयुक्त सचिव डा. जी. एस. विश्वार्थी को उर्ध्वरक नियंत्रक के पद पर नियुक्त करती है।

ए. एम. मिहं
अवर सचिव

शिक्षा और संस्कृति मंत्रालय

(संस्कृति विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर 1981

संकल्प

सं. एफ. 3-14/81-सी. एच. 5—भारत सरकार ने, सांस्कृतिक संस्थाओं के लिए एक केन्द्रीय सलाहकार निकाय, स्थापित करने के गुणावगुणों और व्यवहार्यता की छाँच करने के लिए, जिसमें सभी अकाव्यमियों, राष्ट्रीय बम्भिलेखागार, राष्ट्रीय पुस्तकालयों और संस्कृति के एसे ही अन्य केन्द्रों का प्रतिनिधित्व होगा, निम्नलिखित विशेषज्ञ समिति गठित करने का, संकल्प किया है:

1. श्रीकृष्ण कृपलानी,
अध्यक्ष, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास-अध्यक्ष
2. श्रीमती पूपुल जयाकर।
3. डा. एस. गोपाल।
4. डा. सी. सिवारामभूति।
5. श्री बी. के. थापर।
6. श्री मुल्क राज आनन्द।
7. डा. नारायण मनन।
8. प्रोफेसर बी. एन. गोस्वामी।
9. डा. (श्रीमती) कणिला बात्सायन।

समिति अपने गठन की तारीख से छह महीने के अन्वर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर देगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सामान्य सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दी जाए।

मीर नसरुल्लाह
अपर सचिव

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(नौवहन पक्ष)

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1981

संकल्प

सं. एस. उल्लू/एम टी. एस. (23)/80-एम टी.—भारत सरकार के भूसंपूर्व परिवहन और संचार मंत्रालय (परिवहन विभाग) के संकल्प सं. 24-एम.टी. (6)/52 दिनांक 17 अगस्त, 1959 के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार के समसंख्यक संकल्प दिनांक 5-1-1981 के अनुसार पूनर्गठित व्यापार नौ-प्रशिक्षण बोर्ड में श्री देव मिस्तर अहूजा को सवस्य के रूप में नियुक्त करती है।

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की प्रतिलिपि राष्ट्रपति के निजी तथा भिन्निटरी सचिवों, प्रधान मंत्री सचिवालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, सभी सरकारों, सभी पत्तन न्यासों, तथा नौवहन महानिदेशक, वर्म्मी को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सर्वसाधारण की सूचना के लिए संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

ए. पवानामेन
संयुक्त सचिव

अन्तर्देशीय जल परिवहन नियंत्रणालय
नई दिल्ली-1, दिनांक 31 अगस्त, 1981
संकल्प

विषय : केन्द्रीय अन्तर्देशीय जल परिवहन नियम के फलोटिंग स्टाफ के काम के धंडों की जांच करने के लिए समिति का गठन।

सं. 9 आई. डब्ल्यू. टी. (18) 80-सी एण्ड ई.—समिति के अध्यक्ष ने इस मंत्रालय से अनुरोध किया है कि समिति का कार्यकाल सितम्बर, 1981 तक बढ़ाया जाए। इस मामले पर विचार करने के बाद यह फैसला किया गया है कि 17-2-81 और 25-4-81 के समसंख्यक संकल्प बनारा यथा संशोधित दिनांक 12-12-80 के संकल्प सं. 9-आई. डब्ल्यू. टी. (18) 80-सी एण्ड ई के पैरा 5 के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएः—

“समिति अपनी रिपोर्ट 30 सितम्बर, 1981 तक प्रस्तुत करेगी”

यशवन्त सिन्हा
संयुक्त सचिव

निर्माण और आवास मंत्रालय
नई दिल्ली, दिनांक 1981
संकल्प

सं. 13012/2/80-पी. एस.—इस समय देश में बंगलौर, चंडीगढ़, हावड़ा, दिल्ली, बाराणसी, बल्लभ विद्यानगर, श्रीनगर, जोधपुर, त्रिवेंद्रम, शिमला और रांची में 11 ग्रामीण आवास विंग हैं। भारत सरकार कुछ समय से देश के विभिन्न भागों में इस प्रकार के और अधिक ग्रामीण आवास विंग स्थापित करने के प्रयत्न पर विचार करती आ रही है। यह निर्णय किया गया है कि मध्यास (तमिल नाडु) में तत्काल एक ग्रामीण आवास विंग की स्थापना की जाए।

2. यह ग्रामीण आवास विंग राष्ट्रीय भवन निर्माण संगठन के नियन्त्रण एवं नियंत्रण के अधीन कार्य करेगा जो कि उन्हें अनुदान

MINISTRY OF FINANCE
DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS
New Delhi, the 14th September 1981
CORRIGENDUM

No. 2/10/80-NS.—In the Notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. 2/10/80-NS published in Part I—Section 1 of the Gazette of India (Extraordinary) dated 7th March, 1981 under the Heading “One hundred fourth prizes (Rs. 5,000 each)” in column 3 against Sl. No. 79:

FOR “177516” READ “1770516”

A. L. TULI, Under Secy.

MINISTRY OF STEEL AND MINES
RULES

New Delhi, the 10th October 1981

No. A 12025/7/81-M2.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1982 for the purpose of filling vacancies in the following posts are, with the concurrence of Ministry of Agriculture, published for general information:—

Category I (Posts in the Geological Survey of India, Ministry of Steel and Mines)

(i) Geologist (Junior), Group A and

(ii) Assistant Geologist Group B

Category II (Posts in the Central Ground Water Board, Ministry of Agriculture)

Assistant Hydrogeologist, Group B

सहायता के रूप में वित्तीय सहायता देगा।

3. विंग का प्रधान (अंश-कार्यालय बाधार पर) निवेशक होगा जिसकी सहायता प्रभारी अधिकारी तथा अन्य तकनीकी और सहायक कर्मचारी करेंगे। विंग के कर्मचारियों पर उस संस्थान की सेवा शर्त लागू होगी जिसके साथ विंग सम्बद्ध होगा।

4. ग्रामीण आवास विंग के कार्य निम्नलिखित होंगे:—

1. अनुसंधान और स्थानीय भवन निर्माण सामग्री के उपयोग तथा निर्माण तकनीकियों और ग्रामीण मकानों के डिजाइनों को प्रोत्साहन देगा।

2. सुधरी हूई सामग्रियों और तकनीकियों का प्रचार करना।

3. चर्यनित ग्रामों में पर्यावरणीय सुधारों सहित प्रदर्शन। मकानों के समूहों का निर्माण करना।

ग्रामीण आवास परियोजना योजनाओं में योजना तथा परियोजना आरम्भ करने में लगे तकनीकी कार्यक्रम को प्रशिक्षित और अनुकूल बनाना।

ग्रामीण आवास से सम्बन्धित किसी भी गतिविधि को आरम्भ करना जिसका कि समय समय पर निर्णय किया जाए।

5. ग्रामीण आवास विंग, मद्रास, पैराइंगनार अन्ना, तकनीलीजी विश्वविद्यालय, में स्थापित किया जायेगा।

आवेदन

आदेश विधा जाता है कि संकल्प की एक एक प्रति निम्नलिखित को प्रेषित की जाएः—

1. निवेशक, राष्ट्रीय भवन निर्माण संगठन, नई दिल्ली (25 अतिरिक्त प्रतियां)

2. सचिव, योजना आयोग, नई दिल्ली

3. उपकुलपति, अन्ना यूनिवर्सिटी आफ तकनीलीजी, मध्यास

4. मूल्य सचिव, तमिलनाडू सरकार, मध्यास

एल. एम. मैनेजीज संयुक्त सचिव

1. A candidate may compete in respect of any one or both the categories of posts mentioned above. He should clearly indicate in his application the posts for which he wishes to be considered in the order of preference.

No request for alteration in the preference indicated by a candidate in respect of posts covered by the category/categories for which he is competing would be considered unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the result of the written examination in the Employment News.

2. Appointment on the results of the examination will be made on a temporary basis in the first instance. The candidates will be eligible for permanent appointment in their turn as and when permanent vacancies become available.

3. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951; as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956 the Bombay Reorganisation Act, 1960; the Punjab Reorganisation Act, 1966; the State of Himachal Pradesh Act, 1970; the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976; the Constitution (Jammu & Kashmir) Scheduled

Castes Order, 1956; the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962; the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964; the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967; the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968; the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968; the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970; the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978 and the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978.

4. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

5. A candidate must be either.—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) A Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

6. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 30 years on 1st January, 1982 i.e. he must have been born not earlier than 2nd January 1952, and not later than 1st January 1961.

(b) the upper age limit will be relaxable upto a maximum of 7 years in the case of Government servants if they are employed in a Department mentioned in column I below and apply for the corresponding post(s) mentioned in column II.

Column I

Column II

Geological Survey of India

Geologist (Junior), Group A.

Central Ground Water
Board

Assistant Geologist, Group B.
Assistant Hydrogeologist,
Group B

(c) The upper age limits prescribed above will be further relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;

(iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;

(iv) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;

(v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;

(vi) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.

(vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania, (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.

(viii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(ix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;

(x) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;

(xi) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

(xii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975.

(xiii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin (Indian passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

N.B.—(i) The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 6(b) above, shall be cancelled, if after submitting his application, he resigns from service or his services are terminated by his department/office, either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the service or post after submitting the application.

(ii) A candidate who, after submitting his application to his department is transferred to other department/office will be eligible to compete under departmental age concession for the post(s), for which he would have been eligible, but for his transfer, provided his application duly recommended, has been, forwarded by his parent Department.

7. A candidate must have—

- (a) Masters' degree in Geology or Applied Geology or Marine Geology from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational Institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act 1956; or
- (b) Diploma of Associateship in Applied Geology of the Indian School of Mines, Dhanbad; or
- (c) MSc. degree in Mineral Exploration of the Karnataka University (for posts in the Geological Survey of India only).

NOTE I.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination, but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible, and in any case not later than 31st July 1982.

NOTE II.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he has passed examinations conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE III.—A candidate who is otherwise eligible but who has taken a degree from a foreign University may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

8. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

9. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees, or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

10. The decision of the Commission as to the eligibility, or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

11. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

12. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any name; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses;

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or

(b) to be debarred either permanently or for a specified period—

- (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
- (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

(i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and

(ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

13. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

14. After the examination the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

15. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the commission in their discretion and the Commission

will not enter into correspondence with them regarding the result.

16. Due consideration will be given at the time of making appointments on the results of the examination to the preferences expressed by a candidate for the various posts at the time of his application.

17. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate, having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the post.

18. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of the duties of the post. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy those requirements, will not be appointed. Only candidates who are likely to be considered for appointment will be physically examined. Candidates will have to pay a fee of Rs. 16.00 to the Medical Board concerned at the time of the Medical examination.

NOTE :—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment to Gazetted posts and of the standards required are given in Appendix II. For the disabled ex-Defence Services personnel and the Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof, the standards will be relaxed consistent with the requirements of the posts.

19. No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of the rule.

20. Brief particulars relating to the posts to which recruitment is being made through the examination are given in Appendix III.

APPENDIX I

1. The examination shall be conducted according to the following Plan :—

PART I—Written examination in the subjects as set out in para 2 below.

PART II—Interview for Personality Test of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 200 marks (see para 7 below).

2. The following will be the subjects for the written examination :—

Subject	Code No.	Duration	Maximum Marks.
(1) General English	01	1½ hrs.	100
(2) Geology Paper I, comprising General Geology, Geomorphology, Structural Geology, Stratigraphy and Palaeontology	02	3 hrs.	200
(3) Geology Paper II, comprising Crystallography, Mineralogy Petrology and Geo-Chemistry.	03	3 hrs.	200
(4) Geology Paper III, comprising Indian Mineral Deposits, Mineral Exploration, Mineral Economics and Economic Geology.	04	2 hrs.	150
(5) Hydrogeology	05	2 hrs.	150

NOTE :—Candidate competing for posts under both category I and category II will be required to offer all the five subjects mentioned above. Candidates competing for posts under category I only will be required to offer subjects at (1) to (4) above and candidates competing for posts under category II only will be required to offer subjects at (1) to (3) and (5) above.

3. The examination in all the subjects will be completely of objective (multiple choice answer) type. For details including Sample Questions, please see "Candidates' Information Manual" at Annexure II to the Commissions Notice.

4. The standard and syllabus of the examination will be as shown in the Schedule.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. Special attention will be paid in the Personality Test to assessing the candidate's capacity for leadership, initiating and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, powers of practical application, integrity of character and aptitude for adapting themselves to the field life.

SCHEDULE

STANDARD AND SYLLABUS

The standard of the paper in General English will be such as may be expected of a science graduate. The papers on geological subjects will be approximately of the M.Sc. degree standard of an Indian University and questions will generally be set to test the candidates grasp of the fundamentals in each subject.

There will be no practical examination in any of the subjects.

(1) GENERAL ENGLISH (Code 01)

Questions to test the understanding of and the power to write English.

(2) GEOLOGY PAPER I (Code 02)

A. *General Geology*.—Origin of the Earth, Continents and Oceans—their distribution, evolution and origin. Continental drift, ocean spreading and concept of plate-tectonics. Palaeoclimates and their significance. Isostasy. Palaeomagnetism. Radioactivity and its application to geology. Geochronology and age of the Earth. Seismology and interior of the Earth. Geosynclines. Volcanism. Island arcs, deep-sea trenches and midoceanic ridges. Coral reefs. Orogeny and epeirogeny. Organic cycles.

B. *Geomorphology*.—Geomorphic processes, features and their parameters. Geomorphic cycles and their interpretations. Topography and its relation to structures. Soils.

C. *Structural Geology*.—Physical properties of rocks. Deformation. Faulting and folding—their mechanics. Primary structures. Lineation, foliation and joints. Plutons, diapirs and salt domes. Recognition of top and bottom of beds. Un-conformities. Diastrophism. Petrofabric analysis.

D. *Stratigraphy*.—Principles of stratigraphy and nomenclature. Outlines of word stratigraphy and palaeogeography. Type sections of the various geological systems. Gondwana System and Gondwanaland.

Stratigraphy and Palaeogeography of the Indian sub-continent (India, Pakistan and Bangladesh). Correlation of the major Indian formations. Age problems in Indian stratigraphy.

E. *Palaeontology*.—(a) Fossils their nature, modes of preservation and uses. Morphology, classification and geological

history of the invertebrates; corals, brachiopods, lamellibranches, ammonites, gastropeds, trilobites, echiderms, graptolites and foraminifers.

(b) Principal groups of vertebrates with emphasis on Gondwana and Siwalik faunas. Evolutionary histories of man, elephant and horse.

(c) Fossil flora with emphasis on Gondwana flora and its significance and distribution.

(d) Micropalaeontology, its importance with special reference to foraminiferids, their ecology and palaeoecology.

(3) GEOLOGY PAPER II (Code 03)

A. CRYSTALLOGRAPHY

Symmetry elements and classification of crystals. Projections—Spherical and Stereographic; 32 classes (Point groups). Twinning and crystal imperfections.

B. DESCRIPTIVE MINERALOGY

Physical, chemical, electrical, magnetic and thermal properties of minerals. Structure and classification of silicates.

Olivine group. Garnet group. Epidote group and Melilitite group. Zircon. Sphene, Sillimanite, Andalusite, Kyanite, Totoz, Staurolite, Beryl, Cardlerite, Tourmaline, Pyrozeno group and Amphibole group. Wollastonite and Rhodonite. Mica Group. Chlorite group and Clay minerals. Feldspar group. Silica minerals. Feldspathoid group. Geelite group and Scapolite group. Oxides Hydroxides. Carbonates. Phosphates. Halides. Sulphides and Sulphates.

C. OPTICAL MINERALOGY

General principles of optics. Optical accessories. Refrindex. Birefringence, Extinction angle, Pleochroism. Optical ellipsoids. Optical axial angle. Optic orientation. Dispersion. Optac anomatales.

D. PETROLOGY

(i) *Igneous*: Forms, structures texture and classification. Granite-Granodior-Diorite. Syenite-Nepheline Syenite. Gabbro-Peridotite-Dunite Dolerite. Lamprophyre, Pegmatite, Aplit, Ijolite and Carbonatite. Rhyolite, Trachyte, Dacite, Andesite and Basalt.

Phase rule and equilibrium in silicate system. Two component and three-component systems. Order of Crystallisation. Reaction principle. Crystallisation of magmas. Diversity. Variation diagrams. Origin of granites, monomineralic and alkaline rocks, carbonatites, pegmatites and lamprophyres.

(ii) *Sedimentary*: Classification and composition. Origin of sediments. Textures and structures. Study of important groups of sedimentary rocks. Mechanical analysis of sediments. Methods of deposition. Palaeocurrents and basin analysis. Provenance of sediments. Depositional environ-

ment, Heavy minerals and their significance. Lithification and diageneisis.

(iii) *Metamorphic*: Agents, types, controls, structures, grades and facies of metamorphism. Metamorphic differentiation. Metasomatism and granitisation. Migmatites, granulites, charnockites, amphibolites, schists, gneisses and hornfels. Metamorphism in relation to magma and orogeny.

E. GEOCHEMISTRY

Cosmic abundances of elements, primary geochemical differentiation of the Earth; geochemical classification of the elements. Trace elements. Geochemistry of water. Geochemistry of sediments, geochemical cycle and principles of geochemical prospecting.

(4) GEOLOGY PAPER III (Code 04)

A. INDIAN MINERAL DEPOSITS

Indian deposits of the following metallic and non-metallic ores and minerals with reference to their distribution, mode of occurrence and origin :

(a) Copper, Lead, Zinc, Aluminium, Magnesium, Iron, Manganese, Chromium, Gold, Silver, Tungsten and Molybdenum.

(b) Mica, Vermiculite, Asbestos, Barytes, Graphite, Gypsum, Ochre, Precious and Semiprecious minerals, refractory minerals, abrasives, and minerals for ceramics, glass, fertiliser, cement, paint and pigment industries and building stones.

(c) Coal, petroleum, natural gas and atomic energy minerals.

B. MINERAL EXPLORATION

Methods of surface and sub-surface exploration, field equipment and field tests used for exploration; guides for locating ore deposits. Sampling, assaying and evaluation of ore deposits. Application of geophysical, geochemical and geobotanical surveys in mineral exploration.

C. MINERAL ECONOMICS

Significance of minerals in national economy. Use of various minerals in manufacturing industries. Demand, supply and substitutes. Production and price of major minerals in India. International aspects of mineral industries. Strategic, critical and essential minerals. Conservation and national mineral policy. India's status in mineral production.

D. ECONOMIC GEOLOGY

Mineral deposits—processes of formation, controls of localisation and classification. Study of important metallic and non-metallic minerals with reference to their mineralogy, mode of occurrence and distribution.

(5) HYDROGEOLOGY (Code 05)

Hydrological cycle. Distribution of water in the earth's crust. Ground Water in hydrological cycle. Origin of ground water, meteoric, juvenile and magmatic waters, springs. Classification of rocks with respect of water bearing characteristics, Hydro-stratigraphic units. Geological structures favouring ground water occurrence, Ground water provinces. Ground water reservoirs—Aquifers, aquiclude, aquitards. Classification of aquifers.

Hydrological properties of rocks (Ground water reservoirs) porosity, void ratio, permeability, transmissivity, storativity, specific yield, specific, retention, diffusivity. Methods of identification of ground water reservoir properties—Permeability and specific yield/storativity by discharging well methods and laboratory techniques. Forces causing ground water movement. Laws of ground water movement—Darcy's law. Ground water recharge—artificial and natural, factors controlling recharge conjunctive and consumptive use of ground water.

Surface and sub-surface techniques of ground water exploration—geological and geophysical—water balance. Techniques of ground water extraction (Types of wells, methods of well construction in different types of rocks for best yield). Chemical characteristics of ground water in relation to various uses—domestic, industrial and irrigational. Water pollution.

APPENDIX-II

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves, absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board. For the disabled ex-Defence Services Personnel and the Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971

and released as a consequence thereof, the standards will be relaxed consistent with the requirements of the posts.]

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates, if there be any disproportion with regard to height, weight, and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

3. The candidate's height will be measured as follows:—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head-level under the horizontal bar, and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows:—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres thus 84-89, 86-93.5 etc. In recording the measurements fractions of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in Kilogram; fraction of half a Kilogram should not be noted.

6. The candidate's eye-sight will be tested in accordance with following rules. The result of each test will be recorded.

(i) *General.*—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eyelids or contiguous structures of such a sort as to render or are likely at a future date to render him unfit for service.

(ii) *Visual Acuity.*—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests, one of the distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidate shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The standards for distant and near vision with or without glasses shall be as follows:—

Distant Vision		Near Vision	
Better eye	Worse eye	Better eye	Worse eye
6/9	6/9	0·6	0·8
or	or		
6/6	6/12		

NOTE (1)—Total amount of Myopia (indicated the cylinder) shall not exceed —4.00D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +4.00D.

NOTE (2)—*Fundus Examination:* Wherever possible fundus examination will be carried out at the discretion of the Medical Board and results recorded.

NOTE (3)—*Colour vision:* (i) The testing of colour vision shall be essential.

(ii) Colour perception should be graded into a higher and

a lower grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described in the table below:—

Grade	Higher Grade of Colour perception	Lower Grade of Colour perception
1. Distance between the lamp and candidate	4·9 metres	4·9 metres
2. Size of aperture	1·3 mm.	1·3 mm.
3. Time of exposure	5 Sec.	5 Sec.

For the services concerned with safety of the Public, e.g., pilots, drivers, guards, etc., the higher grade of colour vision is essential but for others the lower grades of colour vision should be considered sufficient. The same standards of colour vision should be applicable in respect of all engineering personnel in whose case colour perception is considered essential irrespective of the fact whether their duties involve field work or not.

(iii) Satisfactory colour vision constitutes recognition with ease and without hesitation of signal red, signal green and white colours. The use of Ishihara's plates, shown in good light and a suitable lantern like Edridge Green shall be considered quite dependable for testing colour vision. While either of the two tests may ordinarily be considered sufficient, in respect of the services concerned with road, rail and air traffic, it is essential to carry out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only one of the two tests, both the tests should be employed.

NOTE (4).—*Field of vision.*—The field of vision shall be tested by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE (5).—*Night Blindness.*—Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaptation is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough tests, e.g., recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he/she has been there for 20 to 30 minutes. Candidates' own statements should not always be relied upon but they should be given due consideration.

NOTE (6).—(a) *Ocular conditions other than visual acuity*—Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Trachoma.*—Trachoma unless complicated shall not ordinarily be a cause for disqualification.

(c) *Squint.*—Where the presence of binocular vision is essential squint, even if the visual acuity is of a prescribed standard should be considered as a disqualification.

(d) *One eyed persons.*—The employment of one-eyed individuals is not recommended.

7. Blood Pressure.

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

- (i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.
- (ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidates should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc., or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electro-cardiographic examinations of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff, completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of elbow. The follow-

ing turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied slightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the systolic pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurement should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Re-checking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level; they may disappear as pressure falls and reappear at still lower level. This silent Gap may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical test, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria, the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical specialist will carry out whatever examination clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and, will submit his opinion to the Medical Board, upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of test is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

- (a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist; provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a

hearing aid candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard—

1 2 3

(1) Marked or total deafness in one ear other ear being normal. Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in higher frequency.

(2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in speech frequencies of 1000 to 4000.

(3) Perforation of tympanic membrane or Central or marginal type.

- (i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present— Temporarily unfit Under improved Conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ear should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4(ii) below.

- (ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit.

- (iii) Central perforation both ears— Temporarily unfit.

(4) Ears with mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides.

- (i) Either ear normal hearing other ear, Mastoid cavity —Fit for both technical and non-technical jobs.

1 2 3

(ii) Mastoid cavity of both sides, Unfit for technical jobs— Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 decibels in either ear with or without hearing aid.

(5) Persistently discharging ear operated/unoperated. Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.

(6) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum.

- (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.

- (ii) If deviated nasal Septum is present with symptoms— Temporarily unfit.

(7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.

- (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx Fit.

- (ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then Temporarily Unfit.

(8) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.

- (i) Benign Tumours Temporarily Unfit.

- (ii) Malignant Tumour— Unfit.

(9) Otosclerosis

- If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid— Fit.

(10) Congenital defects of ear, nose or throat.

- (i) If not interfering with functions—Fit.

- (ii) Stuttering of severe degree—Unfit.

(11) Nasal Poly

- Temporarily Unfit.

(b) that his speech is without impediment;

(c) that his teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);

(d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;

- (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele, severe degree of varicocele, varicose veins or piles;
- (h) that his limbs, hands, and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;
- (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he does not suffer from any inveterate skin disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

NOTE.—Candidates are warned there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing appointed to determine their fitness for the above posts. If, however, Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board it is open to Government to allow an appeal to a second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate otherwise no request for an appeal to a second Medical Board, will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as piece of evidence about the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains, a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner.

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the public service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that

he has no disease constitutional affection or bodily infirmity unfitting him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of case is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be coopted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the posts of Geologists (Jr.) and Assistant Geologists are liable for field service in or out of India. In the case of such a candidate the Medical Board should specifically record their opinion as to his fitness or otherwise for field service.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board.

There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared temporarily unfit period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration.

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the Warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (in block letters).....

9. Who was the examining authority ?

10. When and where was the Medical Board held ?

.....
11. Results of the Medical Boards' examination, if communicated to you or if known

I declare all the above answers to be to the best of my belief, true and correct.

Candidate's Signature.....

Signed in my presence.

Signature of Chairman of the Board.

NOTE :—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to superannuation Allowance or Gratuity..

(b) Report of the Medical Board on (Name of candidate) physical examination.

1. General development: Good..... Fair
Poor

Nutrition: Thin Average Obese

Height (without shoes) Weight

Any recent change in weight
Temperature

Girth of Chest :—

(1) (After full inspiration)

(2) (After full expiration)

2. Skin: any obvious disease

3. Eyes

(1) Any disease.....

(2) Night blindness

(3) Defect in colour vision

(4) Field of Vision

(5) Fundus Examination

(6) Visual Acuity

4. When were you last vaccinated ?

5. Have you suffered any form of nervousness due to over work or any other cause ?

6. Furnish the following particulars concerning your family.

Father's age, if living, and State of health	Father's age at death and cause of death	No. of bro- thers living, their ages and state of health	No. of bro- thers, dead their ages and cause of death
--	--	---	---

Mother's age if living, and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living their ages and stage of health	No. of sisters dead, their ages and cause of death
---	--	---	--

7. Have you been examined by a Medical Board before ?

8. If answer to the above is 'Yes' please state what Services/posts you were examined for.

(7) Ability for stereoscopic vision				14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate.....
Acuity of vision	Naked eye	With glasses	Strength of glasses sph. cyl. Axis	NOTE.—In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, <i>vide</i> regulation 9.
distant Vision	RE		
RE	LE		
Near Vision	RE	LE	
Hypermetropia (Manifest)	RE	LE	
4. Ears : Inspection	Hearing : Right Ear			15. (a) For which services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit?
..... Left Ear
5. Glands	Thyroid		
6. Condition of teeth				(b) Is the candidate fit for FIELD SERVICE ?
7. Respiratory system : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs ?			
If yes, explain fully				NOTE.—The Board should record their findings under one of the following three categories :
8. Circulatory system				(i) Fit
(a) Heart and organic lesions				(ii) Unfit on account of
Rate : Standing				(iii) Temporarily unfit on account of
After hopping 25 times
2 minutes after hopping
(b) Blood Pressure : Systolic	Diastolic		
9. Abdomen : Girth				President
Tenderness				Member
Hernia				Place
(a) Palpable Liver	Spleen			Date
Kidneys	Tumours			
(b) Haemorrhoids	Fistula			
10. Nervous System : Indications of nervous or mental disabilities				
11. Loco-Motor System : Any abnormality				
12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, Varicocele, etc.				
Urine Analysis :				
(a) Physical appearance				
(b) Sp. Gr.				APPENDIX III
(c) Albumen				Brief particulars relating to the posts for which recruitment is being made through this examination.
(d) Sugar				1. Geological Survey of India
(e) Casts				(1) Geologist (Junior) Group A—
(f) Cells				(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years, which may be extended, if necessary.
13. Report of X-Ray Examination of Chest.....				(b) During the period of probation the candidates may be required to undergo such course of training and instructions and to pass such examinations and tests as may be prescribed by the competent authority.
.....				(c) Prescribed scales of pay in the Geological Survey of India :—
				(i) Geologist (Jr. Scale)—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.
				(ii) Geologist (Sr. Scale)—Rs. 1100—50—1600.
				(iii) Director—Rs. 1500—60—1800—100—2000.
				(iv) Deputy Director General—Rs. 2250—125/2—2500
				(v) Sr. Deputy Director
				(v) General (Operation)—Rs. 2500—125/2—2750.
				(vi) Director General—Rs. 3,000 (Fixed).
				(d) Promotion to the higher grades of posts in the Department will be made in accordance with the recruitment rules subject to such modification as may be made by Government from time to time.

(c) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Service Regulations respectively, subject to such modification as may be made by Government from time to time.

(f) Conditions of Provident Fund are those laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(g) All officer of Geological Survey of India are liable for service in any part of India or outside India.

(2) Assistants Geologists Group B—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) During the period of probation the candidates may be required to undergo such course of training and instructions and to pass such examinations and tests as may be prescribed by the competent authority.

(c) Prescribed scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

(d) Recruitment to the Cadre of Geologist (Group A—Junior Scale) will be made partly through the Union Public Service Commission competitive examination, and partly through D.P.C. by promotion from the next lower grade of Assistant Geologist of the Geological Survey of India in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Service Regulations respectively subject to such modification as may be made by Government from time to time.

(f) Conditions of Provident Fund are those laid down in General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(g) Assistant Geologists are liable for service anywhere in India or outside India.

2. Central Ground Water Board

Assistant Hydrogeologist, Group B

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) Prescribed scale of pay :—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

(c) Recruitment to the cadre of Junior Hydrogeologist (Group A) will be made partly through the Union Public Service Commission competitive examination and partly through D.P.C. by promotions from the next lower grade of Assistant Hydrogeologist of the Central Ground Water Board in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by the Government from time to time.

(d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Services Regulations respectively, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of Provident Fund are those laid down in General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) Assistant Hydrogeologists are liable for service anywhere in India or outside India.

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

New Delhi, the 18th September 1981

RESOLUTION

No. E-11015(3)/80-H.S.—In partial modification to this Department's Resolution of even number dated the 13th February, 1981, it has been decided to make following additions/alterations in the Hindi Advisory Committee of the Ministry of Industry:—

Chairman

1. Minister of Industry

Vice-Chairman

2. Minister of State in the Ministry of Industry

In addition it has also been decided to Co-opt following persons as non-official members in the Committee:—

Members

1. Dr. Ram Manohar Tripathi,
Legislator,
Maharashtra Legislative Council,
561, New Mill Road,
Kurla, Bombay-70.

2. Shri Vinod Kumar Misra,
Editor Dainik Hindustan,
New Delhi.

3. Shri Ashok Kumar Aggarwal,
Editor, Amar Ujala,
Agra.

4. Shri Anand Swarup Jain,
Editor,
Nava Bharat Times,
New Delhi.

5. Shri Dharam Vir Bharti,
Editor, Times of India, Bombay.

6. Shri Vidya Bhaskar,
B-4/18, Hanuman Ghat,
Varanasi.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all the members of the Committee, all the Ministries/Departments of the Government of India, Prime Minister's Secretariat, Rajya Sabha/Lok Sabha Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat, Comptroller and Auditor General of India and Pay and Accounts Office of the Department of Industrial Development.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

R. K. TIKKU, Jt. Secy.

**MINISTRY OF AGRICULTURE
DEPTT. OF AGRICULTURE & COOP.**

New Delhi, the 16th September 1981

RESOLUTION

No. F.11-5/78-LD.I.—In partial modification of this Ministry's Resolution No. 11-5/78-LD.I dated 1st April, 1981 and 26th August, 1981, it has been decided by the Government of India to nominate Shri P. S. Kohli, Additional Secretary, Department of Agriculture & Cooperation New Delhi as Chairman of the Management Committee of Delhi Milk Scheme with immediate effect until further orders vice Shri P. R. Dubhashi.

2. All the other terms and conditions will remain unchanged.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all the State Governments/Union Territories, all Ministries/Departments of the Government of India, Cabinet Secretariat, the Planning Commission, the Comptroller and Auditor General of India, the Accountant General Central Revenues, the Director, Commercial Audit, Secretary, National Dairy Development Board, and (Gujarat), Secretary, Indian Dairy Corporation, Board, the Indian Council of Agricultural Research, the Director General of Health Service, M.C., Delhi Municipal Corporation, the President, New Delhi Municipal Committee.

ORDERED also that this Resolution be published in the Gazette of India for general information.

No. 22-2/81-LD.I.—In exercise of the powers conferred by Article 15(2) of the Articles of Association of Indian Dairy Corporation, the President is pleased to nominate Shri P. S. Kohli, Additional Secretary (CCT) in this Department as a director on the Board of Directors of the Indian Dairy Corporation with immediate effect vice Shri P. R. Dubhashi.

No. 22-2/81-LD.I.—In exercise of the powers conferred by Rule 2(a) of the Rules and Regulations of the National Dairy Development Board, the President is pleased to nominate Shri P. S. Kohli, Additional Secretary (CCT) in this Department as a member of the National Dairy Development Board with immediate effect vice Shri P. R. Dubhashi.

N. RAJAGOPAL, Jt. Secy.

New Delhi-110001, the 22nd September 1981

ORDER

No. 12-1/81-STU.—In pursuance of sub-clause (b) of clause 2 of the Fertiliser (Control) Order, 1957, the Central Government hereby appoints Dr. G. S. Vidyaarthi, Joint Secretary, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture & Cooperation) as Controller of Fertilisers vice Shri A.J.S. Sodhi.

A. M. SINGH, Under Secy.

DEPARTMENT OF CULTURE

New Delhi, the 18th September 1981

RESOLUTION

No. F.3-14/81-CH.5.—The Government of India have resolved to constitute the following expert committee to examine the merits and feasibility of setting up a Central advisory body for cultural institutions which could have representation from all the Akademies, National Archives, national libraries and such other centres of culture:

Chairman

1. Shri Krishna Kripalani,
Chairman, National Book Trust.
2. Smt. Pupul Jayakar.
3. Dr. S. Gopal.
4. Dr. C. Sivaramamurti.
5. Shri B. K. Thapar.
6. Shri Mulk Raj Anand.
7. Dr. Narayana Menon.
8. Prof. B. N. Goswami.
9. Dr. (Mrs.) Kapila Vatsyayan.

The Committee will submit its report within six months from the date of its constitution.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated in the Gazette of India for general information.

MIR NASRULLAH, Addl. Secy.

**MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT
(SHIPPING WING)**

New Delhi, the 16th September 1981

RESOLUTION

No. SW/MTC(23)/80-MT.—In pursuance of Resolution of the Government of India in the late Ministry of Transport and Communications (Department of Transport) No. 24-MT(6)/52 dated the 17th August, 1959, the Central Government appoints Shri Dev Mittar Ahuja as a Member in the reconstituted Merchant Navy Training Board, vide resolution of even number dated 5-1-1981.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to the Private and Military Secretaries to the President, the Prime Minister's Secretariat, the Cabinet Secretariat, all the Ministries of the Government of India, all the State Governments, the Port Trusts and the Director General of Shipping, Bombay.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

A. PADMANABAN, Jt. Secy.

INLAND WATER TRANSPORT DIRECTORATE

SUBJECT :—Setting up of a Committee to go into the working hours of the floating of Central Inland Water Transport Corporation.

New Delhi-110001, the 31st August 1981

No. 9-IWT(18)/80-C&E.—The Chairman of the Committee has approached this Ministry for extending the term of the Committee upto end of September, 1981. The matter has been considered and it has been decided that para 5 of the Resolution No. 9-IWT(18)/80-C&E dated 12-12-80 as amended by Resolutions of even number dated 17-2-81 and 15-4-81 will be substituted by the following entry :—

The Committee will submit its report by 30-9-1981.

YASHWANT SINHA, Jt. Secy.

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 16th September 1981

RESOLUTION

No. 13012/2/80-PS.—At present there are eleven Rural Housing Wings in the country, situated at Bangalore, Chandigarh, Howrah, Delhi, Vallabh Vidyanagar, Srinagar, Jodhpur, Trivandrum, Varanasi, Simla and Ranchi. The Government of India have been considering, for some time, the question of setting up more such rural housing wings in different parts of the country. It has been decided to establish, with immediate effect, a Rural Housing Wing at Madras (TN).*

2. The Rural Housing Wing will function under the control and direction of the National Buildings Organisation, who will provide them financial assistance in the form of grants-in-aid.

3. The Wing will be headed by Director (on part time basis) who will be generally be assisted by Officer-in-charge and another technical and supporting staff. The staff of the wing will be governed by the service conditions applicable to the institutions (departments) to which they are attached.

4. The functions of the Rural Housing Wing will be :—

(i) To promote research and use of local building materials and construction techniques and designing of village houses.

(ii) To propagate the use of improved materials and techniques.

(iii) To construct clusters of demonstration houses alongwith environmental improvements in selected villages.

(iv) To train and orient the technical personnel employed on planning and execution of projects under the village housing project schemes.

(v) To carry out any other activity connected with Rural Housing as may be decided from time to time.

5. The Rural Housing Wing, Madras, will be situated in Peraringhar Anna University of Technology, Madras.

ORDER

ORDERED that a copy of the resolution be communicated to :—

1. Director, NBO (25 spare copies), New Delhi.

2. Secretary, Planning Commission, New Delhi.

3. Vice Chancellor, Anna University of Technology, Madras.

4. Chief Secretary to the Government of Tamil Nadu, Madras.

L. M. MENEZES, Jt. Secy.

